मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 13 दिसंबर 2024

संवत 2081, मार्गशीर्ष शुक्ल 12- मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 97 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ भारत के खिलाफ बड़ी साजिश

'मदार्नी' बनकर लौट रहीं रानी मुखर्जी, तीसरी किस्त का हुआ एलान ◂◂ 6

पीएम मोदी की राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ बैठक आज

सीएस अलका तिवारी होंगी शामिल

मेट्रो रेज

रांची : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शुक्रवार को दिल्ली में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी समेत राज्य के अन्य अधिकारी इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पीएम की अध्यक्षता में होनेवाली इस बैठक में पीएम केंद्र प्रायोजित योजनाओं को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा करेंगे। यह बैठक हर साल आयोजित की जाती है, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर चर्चा होती है। प्रधानमंत्री मुख्य सचिव सम्मेलन को संबोधित करेंगे, इसके बाद केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारी अपनी बात रखेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संघीय शासन प्रणाली को मजबूत बनाने और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के उद्देश्य से शुरू किया था। इस बैठक का मकसद केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करना और राज्यों की अपेक्षाओं और जरूरतों को समझना है।

बैठक के मुख्य एजेंडे

- केंद्र प्रायोजित योजनाओं का क्रियान्वयन: राज्यों में योजनाओं की प्रगति और उन्हें प्रभावी रूप से लागू करने के तरीके पर चर्चा। समन्वय की कमी के कारण उत्पन्न समस्याओं का समाधान।
- राजस्व वृद्धि पर चर्चा: राज्य सरकारें केंद्र से किस प्रकार सहयोग की अपेक्षा रखती हैं, इस पर विचार। राज्यों की राजस्व बढ़ाने की योजनाओं और केंद्र के सहयोग के पहलुओं पर चर्चा।
- बेहतर कनेक्टिविटी और पर्यटन का विकास: देश में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए ठोस कदम उठाने पर चर्चा।
- पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास को प्राथमिकता। मुख्य सचिव सम्मेलन केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर संबंध बनाने और शासन प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा मिलता है, जिससे नीतियों और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और केंद्र को दिया बड़ा निर्देश

किसान नेता डल्लेवाल का अनशन खत्म कराने की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने आमरण अनशन कर रहे पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और केंद्र से किसान नेता डल्लेवाल को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने और उन्हें आमरण अनशन तोड़ने के लिए मनाने को कहा। किसान नेता के आमरण अनशन पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान करें, लेकिन उन्हें अनशन तोड़ने के लिए मजबूर न करें। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों से किसान नेता डल्लेवाल से तुरंत मुलाकात करने को कहा लेकिन उनके आंदोलन को तोड़ने के लिए किसी भी बल प्रयोग के खिलाफ आगाह किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पंजाब के किसान नेता डल्लेवाल के अनशन को तोड़ने के लिए किसी भी प्रकार का बल प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए, जब तक कि उनकी जान बचाना जरूरी न हो।

दो दिन के संताल दौरे पर आज रांची से रवाना हुए मुख्यमंत्री

करेंगे बाबा बैद्यनाथ और बासुकिनाथ के दर्शन

मेट्रो रेज

रांची : सीएम हेमंत सोरेन दो दिनों के संताल दौरे पर आज रांची से रवाना होने वाले हैं। हेमंत लगातार दूसरी बार सीएम बनने के बाद पहली बार बाबा बैद्यनाथ और बाबा बासुकिनाथ के दर्शन करेंगे। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन के साथ गांडेय विधायक और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहेंगी।

सीएम बनने के बाद बाबा धाम में करेंगे पूजा-अर्चना

झारखंड विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद सीएम हेमंत सोरेन पहली बार देवघर बाबा धाम आएंगे। उनके साथ उनकी धर्म पत्नी कल्पना सोरेन भी रहेंगी। जानकारी के मुताबिक सीएम हेमंत सोरेन सुबह 11:30 बजे हेलीकॉप्टर से देवघर एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। इसके बाद वह 12 बजे बाबा के दर्शन करेंगे और कुछ देर रेस्ट करने के बाद बाबा बासुकिनाथ के दर्शन के लिए हवाई मार्ग से रवाना हो जाएंगे। दोपहर 2 बजे के करीब वह बाबा बासुकिनाथ के दर्शन कर साहिबगंज के पतना रवाना हो जाएंगे।

शनिवार को बरहेट में सीएम का कार्यक्रम: सीएम पतना में अपने आवास में रात्रि विश्राम करने के बाद बरहेट रवाना होंगे जहां उनका कार्यक्रम है। सीएम के कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

नई दिल्ली : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों के सामने 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि जोगेंद्र यादव, हेमला देवा और नौ अन्य नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

चव्हाण ने बताया कि इनमें से यादव प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की पेद्दाबोडकेल क्रांतिकारी पार्टी समिति के तहत कृषि समिति काअध्यक्ष था। उन्होंने बताया कि हेमला इसकी जनसंपर्क समिति का प्रमुख था, जबकि नौ अन्य नक्सली निचले स्तर के कैडर हैं।

अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादियों की अमानवीय और खोखली विचारधारा से तंग आकर तथा राज्य सरकार की नक्सलवाद उन्मूलन नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों कोराज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति के अनुसार लाभ मिलेगा।

संविधान पर चर्चा शुरू, राजनाथ सिंह का राहुल गांधी पर तंज

कुछ लोग संविधान की प्रति जेब में लेकर घूमते हैं

- भारत का संविधान देश के गौरव को स्थापित करने का रोडमैप है

एजेंसी

नई दिल्ली : लोकसभा में संविधान पर चर्चा की शुरूआत केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। उन्होंने कहा कि '75 साल पहले संविधान सभा ने संविधान निर्माण का काम पूरा किया था। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था।' राजनाथ सिंह ने कहा कि संविधान से देश में सही मायने में लोकतंत्र लागू हुआ। हमारा संविधान सार्वभौम है, जहां यह राज्य की जिम्मेदारियों को सूचीबद्ध करता है तो वहीं नागरिकों के अधिकारों का भी उल्लेख करता है।

हमारा संविधान सहकारी सघंवाद को सुनिश्चित करता है तो राष्ट्र की एकता को भी सुनिश्चित करता है। भारत का संविधान देश के गौरव को स्थापित करने का रोडमैप भी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोगों द्वारा हमारे संविधान को उपनिवेशवाद का उपहार या अच्छी बातों का संकलन मात्र मान लिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है। संविधान निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका को नकार दिया गया।

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 'एक पार्टी विशेष के नेता संविधान की प्रति अपनी जेब में रखकर चलते हैं। दरअसल उन्होंने अपने पूर्वजों से यही सीखा है।' राजनाथ सिंह का यह तंज कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर माना जा रहा है।

सरायकेला में एसटीएफ ने गौ तस्करों को पकड़ा, 44 बैल जब्त

मेट्रो रेज

सरायकेला/ खरसावां : जिले के एसपी मुकेश कुमार लुणायल के निर्देश पर गठित टीम ने गौ तस्करी के लिए ले जा रहे 44 बैल को पकड़ा। गुरुवार देर रात करीब 8:00 बजे के आसपास एसटीएफ ने कुचाई थाना क्षेत्र से तस्करी के लिए ले जा रहे करीब 40 जोड़ी बैल को पकड़कर कुचाई पुलिस को सौंप दिया है।

ऑपरेशन को रखा गया गोपनीयः एसपी मुकेश कुमार एसटीएफ गठित कर गौ तस्करों के खिलाफ अभियान चलाया था। हालांकि यह कार्रवाई बेहद ही गोपनीय तरीके से की गई। इसकी भनक स्थान पुलिस को भी लगने नहीं दिया गया। ऑपरेशन सफल होने के बाद एसटीएफ ने कुचाई थाना प्रभारी को सूचित किया और उन्हें सौंप दिया। खबर है कि एसटीएफ ने तीन तस्करों को भी हिरासत में लेकर पुलिस को सौंपा है। हालांकि पुलिस अभी भी कुछ बोलने से इंकार कर रही है। फिलहाल इस कार्रवाई के बाद न केवल पुलिस महकमा बल्कि तस्करों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

घरेलू हिंसा कानूनों में सुधार की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली : अतुल सुभाष की आत्महत्या के हालिया दुखद मामले के मद्देनजर घरेलू हिंसा कानूनों में सुधार और उनके दुरुपयोग को रोकने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। यह याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर की गई है, जिन्होंने पति और उसके परिवार के सदस्यों के उत्पीड़न को रोकने के लिए 3 मई, 2024 को प्रीति गुप्ता बनाम झारखंड राज्य और अचिन गुप्ता बनाम हरियाणा राज्य के मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई टिप्पणियों पर विचार करने और उन्हें लागू करने के लिए केंद्र सरकार को निर्देश जारी करने की मांग की है।

नितिन गडकरी प्रीति गुप्ता बनाम झारखंड राज्य के मामले में, शीर्ष अदालत ने कहा था कि यह सर्वविदित बात है कि दुर्भाग्य से हमारे देश में वैवाहिक मुकदमेबाजी तेजी से बढ़ रही है और कहा कि कानून द्वारा पूरे प्रावधान पर गंभीरता से पुनर्विचार किया जाना चाहिए। याचिकाकर्ता ने दहेज और घरेलू हिंसा कानूनों की समीक्षा और सुधार करने तथा उनके दुरुपयोग को रोकने के लिए सुझाव देने के लिए पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, वकीलों और प्रख्यात विधिवेत्ताओं की एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश जारी करने की भी मांग की है। याचिका में सरकार को विवाह के दौरान दिए गए सामान/उपहार/धन की सूची दर्ज करने और शपथ पत्र के साथ उसका रिकॉर्ड रखने तथा विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र के साथ संलग्न करने का निर्देश जारी करने की भी मांग की गई है।

अधिवक्ता विशाल तिवारी ने कहा कि झूठे दहेज और घरेलू हिंसा मामलों में फंसने के बाद विवाहित पुरुषों की दयनीय स्थिति और भाग्य को देखने के बाद उन्होंने जनहित याचिका दायर की है। दहेज निषेध अधिनियम और आईपीसी की धारा 498ए का उद्देश्य विवाहित महिलाओं को दहेज की मांग और उसके लिए उत्पीड़न से बचाना था, लेकिन हमारे देश में ये कानून अनावश्यक और अवैध मांगों को निपटाने और पति-पत्नी के बीच किसी अन्य प्रकार का विवाद उत्पन्न होने पर पति के परिवार को दबाने का हथियार बन गए हैं। याचिकाकर्ता ने कहा कि इन कानूनों के तहत विवाहित पुरुषों को गलत तरीके से फंसाए जाने के कारण महिलाओं के खिलाफ वास्तविक और सच्ची घटनाओं को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है।

दहेज के मामलों में पुरुषों को गलत तरीके से फंसाए जाने की कई घटनाएं और मामले सामने आए हैं, जिसके कारण बहुत दुखद परिणाम सामने आए हैं और हमारी न्याय और आपराधिक जांच प्रणाली पर भी सवाल उठे हैं, याचिकाकर्ता ने कहा। हाल ही में बेंगलुरु में 34 वर्षीय तकनीकी विशेषज्ञ अतुल सुभाष की दुखद आत्महत्या ने वैवाहिक कलह, दहेज निषेध कानूनों के दुरुपयोग और पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर देशव्यापी बहस छेड़ दी है। आत्महत्या से पहले अतुल सुभाष ने 80 मिनट का एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उन्होंने अपनी अलग रह रही पत्नी और उसके परिवार पर पैसे ऐंठने के लिए उन पर और उनके परिवार पर कई मामले थोपने का आरोप लगाया। अतुल सुभाष ने अपने 24 पन्नों के सुसाइड नोट में न्याय प्रणाली की भी आलोचना की। सुसाइड नोट में न्यायाधीश पर समझौते के लिए पैसे मांगने का भी आरोप लगाया गया है, जो बहुत गंभीर मुद्दा है, याचिका में कहा गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह केवल अतुल सुभाष का मामला नहीं है, बल्कि ऐसे लाखों पुरुष हैं जिन्होंने पत्नियों द्वारा उन पर लगाए गए कई मामलों के कारण आत्महत्या कर ली है। उन्होंने कहा कि दहेज कानूनों के घोर दुरुपयोग ने इन कानूनों के उद्देश्य को विफल कर दिया है, जिसके लिए इन्हें बनाया गया था। उन्होंने कहा, ये मामले न केवल पति-पत्नी के जीवन और करियर को प्रभावित करते हैं, बल्कि उनके बच्चों पर भी नकारात्मक रूप से बहुत गहरा प्रभाव डालते हैं। यह उनके मानसिक स्वास्थ्य व्यवहार को प्रभावित करता है, जिसके परिणामस्वरूप उनका उचित विकास बर्बाद हो सकता है।

विस का विशेष सत्र : सीएम हेमंत सोरेन ने कहा-

पिछले कार्यकाल में विकास की नींव रखी, अब प्रगति के बीज बोना लक्ष्य

मेट्रो रेज

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को कहा कि राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाली सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान राज्य के विकास की मजबूत नींव रखी गई थी और अब प्रगति को गति देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल संतोष गंगवार की तरफ से बुधवार को विधानसभा में दिया गया भाषण सरकार का 'श्वेत पत्र' था, जो स्पष्ट रूप से सरकार की दूरदर्शिता और दिशा को दशार्ता है।

'राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि गांवों से चलेगी सरकार': सीएम सोरेन ने सदन में राज्यपाल के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा, 'हमने 2019 के बाद पिछले कार्यकाल के दौरान राज्य के समग्र विकास के लिए एक मजबूत नींव रखी है। अब, नींव पर एक इमारत बनाने का समय है। बहुत जल्द शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अन्य क्षेत्रों में अवसर दिखाई देंगे।' उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार राज्य सचिवालय से नहीं बल्कि गांवों से चलेगी।

'हमारी सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए करेगी काम': उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि जब तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार नहीं होगा, तब तक राज्य के सर्वांगीण विकास की उम्मीद नहीं की जा सकती। इस सरकार ने हमेशा गरीबों, आदिवासियों, दलितों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए काम किया है और आगे भी करती रहेगी।' सीएम सोरेन ने दावा किया कि 2019 में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन के सत्ता में आने के बाद राज्य में बुनियादी ढांचे, पर्यटन और रोजगार सृजन समेत कई क्षेत्रों में वास्तविक बदलाव देखे गए।

'इस कार्यकाल में विपक्ष से सहयोग की उम्मीद': इस दौरान उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए दावा किया कि 2019 से पहले लोग भूख से मर रहे थे और किसान आत्महत्या कर रहे थे, जब भगवा पार्टी राज्य में शासन कर रही थी। उन्होंने कहा, '2019 से पहले लोग खुश नहीं थे। 2019 में गठबंधन सरकार बनने के बाद सरकार ने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का काम किया।' मौजूदा कार्यकाल में विपक्ष से सहयोग की उम्मीद करते हुए सोरेन ने कहा कि पिछले पांच सालों में उनकी सरकार को गिराने की कोशिश की गई।

धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान जमकर गहमागहमी: बता दें कि, राज्य में सदन की कार्यवाही सुबह करीब 11 बजे शुरू होने के तुरंत बाद झामुमो विधायक स्टीफन मरांडी ने राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। विधानसभा में उस समय भी हंगामा हुआ जब भाजपा विधायक झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू की भगवा खेमे के नेताओं पर कथित अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में सदन के वेल में आ गए।

जेएमएम विधायक के बयान को रिकॉर्ड से हटाया गया: स्पीकर रवींद्र नाथ महतो ने उन्हें शांत करने की कोशिश की और कहा कि जेएमएम विधायक ने गलती की है, जिसे रिकॉर्ड से हटा दिया गया है। इस पर बीजेपी विधायक नीरा यादव ने कहा, 'सदन में 12 महिलाएं हैं। हम इस तरह के असंसदीय शब्दों को स्वीकार नहीं कर सकते। हम चाहते हैं कि जेएमएम विधायक माफी मांगें।' वरिष्ठ बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने स्पीकर से आग्रह किया कि उन्हें इसका पुरजोर विरोध करना चाहिए।

बाबूलाल मरांडी ने उठाया कानून व्यवस्था का मुद्दा: बाबूलाल मरांडी ने अपने भाषण के दौरान सदन में कथित जनस-ांख्यिकी परिवर्तन, बिगड़ती कानून व्यवस्था और बालू के संकट का मुद्दा उठाया। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने हाल के चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को धोखा देने और झारखंड में सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करने की कोशिश की।

हमारी सरकार 'अबुआ सरकार' है- कल्पना सोरेन वहीं झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने दावा किया कि भाजपा एक 'अस्वीकार' ताकत बन गई है और झारखंड के मतदाताओं ने चुनावों में 'उन्हें सबक सिखाया'। इस दौरान झामुमो विधायक कल्पना सोरेन ने कहा, 'हमारी सरकार 'अबुआ सरकार' है और यह हाल के विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए सभी वादों को पूरा करेगी।' इसके बाद में झारखंड विधानसभा ने राज्यपाल के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

गिरिडीह में बिरहोर जनजाति के लोगों ने चलाया आंदोलन

बाल विवाह समाप्त करने की खाई कसम

मेट्रो रेज

रांची/ गिरिडीह: बिरहोर जनजाति के लोग गिरिडीह में बाल विवाह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने बाल विवाह को समाप्त करने की कसम भी खाई। बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए काम करने वाले एक संगठन ने इसकी जानकारी दी। बिरहोर के लोग जंगल पर निर्भर है। ये खानाबदोश आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। इस समुदाय के लोग आर्थिक और सामाजिक तौर पर काफी पीछे हैं।

बिरहोर जनजाति के लोगों का बाल विवाह के विरोध आंदोलन: बच्चों के अधिकार संरक्षण निकाय जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस (जेआरसी) ने कहा, झारखंड के गिरिडीह में कुछ अलग हो रहा है। पहली बार, बिरहोर समुदाय के सैकड़ों लोग किसी सामाजिक उद्देश्य के लिए एक आंदोलन में शामिल हुए। शाम के समय इस समुदाय के लोग बाल विवाह के खिलाफ एकजुट हुए। संगठन ने आगे कहा, यह पहली बार ऐसा हुआ कि समुदाय के लोगों को बाल विवाह के परिणामों और कानूनों से अवगत कराया गया था। जलती मोमबत्ती की रोशनी के नीचे खड़े होकर युवा, बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों ने बाल विवाह को खत्म करने की कसम खाई।

लोगों ने बाल विवाह के खिलाफ लिया संकल्प: बाल विवाह मुक्त भारत के समर्थन में बनवासी विकास आश्रम की तरफ से कैंडल मार्च का आयोजन किया गया था। बता दें कि यह अभियान केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से बाल विवाह के खिलाफ चलाया गया था। बिरहोर जनजाति के लोगों ने कानूनी उम्र से पहले बच्चों की शादी नहीं करने और बाल विवाह के मामलों की रिपोर्ट करने का संकल्प लिया।

नागरिक समाज संगठन ने दावा किया कि झारखंड के 416 जिलों में अप्रैल और दिसंबर 2024 के बीच सात हजार से अधिक बाल विवाह रोके गए हैं। झारखंड के सभी 24 जिलों के ब्लॉक, गांवों और स्कूलों में सरकारी अभियान के समर्थन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। जामताड़ा, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, कोडरमा और दुमका में बाल विवाह की खबरें अधिक हैं।

प्रकाश पर्व पर हिण्डाल्को में श्री गुरु ग्रंथ साहिब अखंड पाठ आरंभ

मेट्रो रेज

मुरी: हिण्डालको में आज से श्री गुरु ग्रंथ साहिब अखंड पाठ आरंभ किया गया। इस अवसर पर साऊथ प्लांट गेट से पूजा स्थल तक शोभा यात्रा निकाली गई। हिण्डाल्को गुरु नानक पूजा कमिटी द्वारा तीन दिवसीय अखंड श्री गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ, कीर्तन भजन एवं अंतिम तिथि 15 दिसंबर को एक बजे अटुट लंगर का आयोजन किया गया। जमशेदपुर से भाई रंजीत सिंह, भाई कमलजीत सिंह, दिलदार सिंह, तरसेम सिंह, रांची के उदय सिंह और कुलदीप सिंह अखंड पाठ में शामिल होंगे वहीं राखी जत्था उदय सिंह द्वारा कीर्तन दरबार आयोजित किया जाएगा। इसे सफल बनाने में हिण्डाल्को गुरु नानक पूजा कमिटी के अजीत सिंह, सुगंध सिंह, कमलजीत सिंह, चरण जीत सिंह, राजेश सिंह, गुरदीप सिंह, अमन दीप सिंह, राज कुमार सिंह, अंकित, संतोष व अन्य की सराहनीय भूमिका है।

पांडे गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

मेट्रो रेज

रामगढ : एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने प्रेस वार्ता कर बताया कि संगठित आपराधिक गिरोह पांडे गुट के कुछ सदस्यों द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में निर्माण कार्य करावा रहे संवेदकों से रंगदारी की मांग की जा रही थी। साथ ही निर्माण कार्य को बंद करने और ऐसा नही करने पर जान से मारने तक की धमकी संवेदकों को दी जा रही थी। एसडीपीओ ने बताया कि उक्त घटना को गम्भीरता से लेते हुए एसपी अजय कुमार द्वारा खुद से निर्देशित करते हुए संगठित अपराधिक गिरोह पर अंकुश लगाने को लेकर बीएनएस के न्यू धाराओं में प्राथमिकी अंकित की गई एवं घटना में शामिल पाण्डेय गिरोह के सक्रिय सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए एसडीपीओ रामगढ़ के नेतृत्व में एसआइटी का गठन किया गया। बताया कि गठित एसआइटी ने एसपी निदेर्शानुसार गुप्त सूचना के आधार पर हिंसक कारवाई को

लेकर रेकी करने के लिए जा रहे पांडे गिरोह के सक्रिय सदस्य विक्की कुमार पासवान, प्रीतम कुमार, अनिकेत कुमार उर्फ बिल्ला को गिरफ्तार किया गया। साथ ही इनकी निशानदेही पर पाण्डेय गिरोह के सक्रिय सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में पांडे गिरोह के लगभग तीन वर्षों से फरार चल रहे अपराधी बैजू साव को भी गिरफ्तार किया गया। साथ ही दो मोबाइल, बुलेट एवं स्कुटी बरामद किया गया। छापामारी दल में एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, पुनि सह रजरप्पा थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पाण्डेय, पुअनि अशोक कुमार रजरप्पा, पुअनि रंजीत महतो, पुअनि ओमकार पाल, रामगढ़ तकनीकी शाखा एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

नागपुरी काव्य संग्रह पलाश कर फूल का लोकार्पण

रांची: रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में प्रो। केदार नाथ दास का लिखित नागपुरी काव्य संग्रह पलाश कर फूल का लोकार्पण सह कृति चर्चा का आयोजन गुरुवार को किया गया। विषय प्रवेश प्राध्यापक डॉ उमेश नन्द तिवारी ने कराया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ रीझू नायक और संचालन डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ सविता केशरी ने कहा कि भाषा साहित्य समाज का आईना होता है। लेखक साहित्य को नई दिशा देने का काम किया है। नागपुरी भाषा में पुस्तकों की कमी रहती थी। इस भाषा को कोई महत्व नहीं दिया जाता था। नागपुरी को गंवारी भाषा कहा जाता था। आज पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन होने लगा है। आकाशवाणी-दूरदर्शन में स्थान दिया जाने लगा। लेखकों और विद्वानों ने नागपुरी भाषा को ऊचाई पर पहुंचा दिया है। उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ रिजवान अली ने कहा कि नागपुरी एक संपर्क भाषा है। यह सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। कविता संग्रह पलाश कर फूल की रचना कर नागपुरी समाज को एक तोहफा देने का काम किया गया है। लेखक अपने जीवन के अनुभव, संघर्ष एवं सुख दुख को एक जगह समेटने का कार्य किया है।

उपायुक्त ने दिव्यांग तैराक जितेंद्र को किया सम्मानित

रामगढ़: उपायुक्त चंदन कुमार ने पैरा तैराक जितेंद्र कुमार पटेल को सम्मानित किया। डीसी ने अपने कार्यालय कक्ष में पौधा देकर व शॉल ओढ़ाकर जितेंद्र को सम्मानित किया। बता दें कि 19 से 22 अक्टूबर तक गोवा में राष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता में जितेंद्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया था। जितेंद्र चितरपुर प्रखंड अंतर्गत बड़की लारी कला के निवासी हैं। मौके पर उपायुक्त ने उन्हें आगे भी इसी तरह बेहतरीन प्रदर्शन करने तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

लकड़बग्घे का आतंक, 4 लोगों को किया घायल

गोमोह: तोपचांची थाना क्षेत्र के मतारी रेलवे स्टेशन के समीप आदिवासी बहुल गांव पाकेर बेड़ा में पिछले दो दिनों से लकड़बग्घे के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं। लकड़बग्घा ने हमला कर गांव के चार लोगों को घायल कर दिया है। इधर, सूचना देने के बाद भी वन विभाग के अधिकारी मौन साधे हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लकड़बग्घा पिछले कई दिनों से जंगल से निकलकर पॉकेट बेड़ा बस्ती के घरों में घुसकर लोगों को निशाना बना रहा है। चार से अधिक लोगों को काटकर घायल कर चुका है। घायलों में श्रवण कुमार हांसदा, संतोष कुमार हांसदा, सोमारी कुमारी व राजकुमारी शामिल हैं। सभी घायल इलाजरत हैं। पंचायत समिति के सदस्य बाल किशुन रजवार ने बताया कि लकड़बग्घा शाम के समय घरों में घुसकर हमला बोल दे रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी सूचना वन विभाग के रेंजर दी गई लेकिन रेंजर ने संज्ञान नहीं लिया। जिससे ग्रामीणों में रोष है। इधर, वन विभाग की ओर से बताया गया कि गार्ड को मामले की जांच के लिए पाकेरबेड़ा गांव भेजा गया है।

आइआइटी आइएसएम में ऊर्जा सुरक्षा के स्थायी समाधानों पर हुई चर्चा

धनबाद: आइआइटी आइएसएम के पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग का अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आइसीपीएचडी गुरुवार से शुरू हो गया। इसका विषय है सस्टेनेबिलिटी थ्रू ट्रांजिशन । इसका उद्देश्य पारंपरिक व अपारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों का एकीकरण, उद्योग व शिक्षाविदों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना व ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्थायी समाधानों पर चर्चा करना है।

अतिथियों ने किया उद्घाटन : उद्घाटन मुख्य अतिथि डीजीएच महानिदेशक डॉ पल्लवी जैन गोविल, विशेष अतिथि डीजीएच अतिरिक्त महानिदेशक डॉ कौस्तव नाग व ऑयल इंडिया की निदेशक सलोमा यामडो शामिल थे। संस्थान के निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वीडियो संदेश के माध्यम से सम्मेलन के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया।

भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों ने नदी में बना डाला स्वास्थ्य उपकेंद्र

पलामू: जिले में भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों का कारनामा चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां अधिकारियों और संवेदकों ने नदी के बीचो-बीच ही स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन बना डाला है। यह मामला हरिहरगंज प्रखंड के कुलाहिया पंचायत स्थित जहाना गांव का है। जहां भवन निर्माण विभाग ने बतरे नदी में स्वास्थ्य केंद्र का भवन बनाया है। पानी के बीचो-बीच स्वास्थ्य उपकेंद्र होने के कारण ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। नदी में स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण से ही आप अंदाजा लगा सकते हैं कि विभाग के अधिकारी कितने लापरवाह हैं।

दरअसल हरिहरगंज प्रखंड के कुलाहिया व सिमरबार पंचायत में उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए 2022/23 में योजना लायी गयी थी। विभाग के जेई और संवेदक ने गलत स्थल का चयन करते हुए बतरे नदी में ही भवन का निर्माण करा दिया। यहां बारिश के दिनों में चारों तरफ से पानी भर जाता है। इस साल बारिश में उप स्वास्थ्य केंद्र का भवन बाढ़ में आधा डूब गया था। लबालब पानी भर जाने के कारण भवन का चारदिवारी कई जगह से क्षतिग्रस्त भी हो गया है। वहीं पानी के बीचो-बीच स्वास्थ्य उपकेंद्र होने के कारण ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सिमरवार पंचायत के मुखिया जितेंद्र कुमार ने इस मामले की गंभीरता से जांच करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अब देखने वाली बात होगी कि वाकई में मामले की जांच होती है और दोषियों पर कार्रवाई होती है या सिर्फ खानापूर्ति करके मामले को टाल दिया जाता है।

मामले की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई : डीसी इस संबंध में जब पलामू डीसी शशि रंजन से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जायेगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

5 जनवरी से सात ज्योतिर्लिंग यात्रा के साथ शिर्डी दर्शन की होगी शुरूवात

■ यात्रा पर जाने के लिए आज ही करे बुकिंग ■ आईआरसीटी , भारत सरकार के उधम ने झारखंड से पहली बार भारत गौरव पर्यटक सर्किट स्पेशल ट्रेन चलाने की बनाई है योजना

रांची: भारत गौरव विशेष ट्रेन द्वारा आगामी 5 जनवरी दिन रविवार को शुभ यात्रा की शुरूआत झारसुगुडा से सात ज्योतिर्लिंग यात्रा के साथ शिर्डी की होगी। रेल मंत्रालय ने देश के विभिन्न भागों से भारत सरकार द्वारा परिकल्पित देखो अपना देश और एक भारत श्रेष्ठ भारत' की पर्यटन अवधारणाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। भारतीय रेलवे भारत को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्षेत्र में एक आकर्षक गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहा है। भारतीय रेल की इन थीम-आधारित ट्रेनों की परिकल्पना घरेलू पर्यटकों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से अवगत कराने हेतु की गई है।

इच्छुक तीर्थयात्री यात्रा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी एवं बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी, कार्यालय (रेलवे स्टेशन रांची, पार्सल कार्यालय के पास, पिन 834001) या दूरभाष संख्या 8595937711 से संपर्क कर सकते है। टिकट की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट के माध्यम से भी कर सकते हैं।

इंडियन रेलवे कैटरिंग टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड भारत सरकार के उधम ने झारखंड से पहली बार भारत गौरव पर्यटक सर्किट स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना बनाई है। यह ट्रेन आगामी 5 जनवरी दिन रविवार को झारसुगुडा से खुलेगी और राउरकेला, रांची, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, राजगीर, बिहारशरीफ, पटना, बक्सर, आरा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन होते हुए भीमाशंकर, द्वारका, ग्रिशनेश्वर, महाकालेश्वर, नागेश्वर, ओंकारेश्वर, त्र्यंबकेश्वर, शिर्डी ,सोमनाथ के तीर्थ स्थल का दर्शन कराते हुए दिनांक 17 ।01 ।2025 को लौट कर वापस आएगी । यह पूरी यात्रा 12 रात/13 दिन की होंगी और इसका कुल किराया सभी कर सहित स्लिपर क्लास के लिए 24,330 और 3 एसी के लिए 42655 रूपया है।

इस यात्रा में तीर्थ यात्रियों कों स्लीपर क्लास एवं 3 एसी से यात्रा, शाकाहारी भोजन, घूमने के लिए बस रहने के लिए होटल की व्यवस्था तथा प्रत्येक कोच में सिक्यूरिटी गार्ड एवं टूर एस्कॉर्ट की सेवा उपलब्ध रहेगी एवं इसके अलावा यात्रियों की बीमा के भी सुविधा रहेगी।

विधि व्यवस्था को लेकर डीजीपी ने आला पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक, कहा-

हजारीबाग जैसी विधि-व्यवस्था की समस्या दुबारा न हो

मेट्रो रेज

रांची: राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आला पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। डीजीपी ने सबसे ज्यादा झारखण्ड के हजारीबाग में छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना को लेकर चिंता जताई । पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी किए गए प्रेस रिलीज में यह बताया गया है कि हजारीबाग में घटित घटना पर चिंता जताते हुए डीजीपी ने आदेश दिया कि भविष्य में ऐसे घटना की पुनरावृति ना हो। सीजीएल परीक्षा को लेकर छात्रों के आंदोलन के बाद हुए उत्पात को लेकर डीजीपी ने आदेश दिया

कि हजारीबाग समेत विभिन्न जिलों में विधि व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए।

अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर अफवाह या भड़काऊ पोस्ट करता है तो उसे चिन्हित कर कार्रवाई करने का आदेश डीजीपी ने दिया है।डीजीपी ने विशेष शाखा के पदाधिकारियों को आदेश दिया कि वह आसूचना तंत्र को मजबूत करें ताकि भविष्य में हजारीबाग जैसी घटना की पुनरावृति न हो। सभी जिलों के एसपी से आवश्यक सुरक्षात्मक एवं निरोधात्मक कार्रवाई का आदेश डीजीपी ने दिया।

तीन दिन पूर्व झारखण्ड के हजारीबाग में सीजीएल परीक्षा को लेकर हुआ आंदोलन हिंसक हो गया था। जिसके बाद पुलिस को छात्रों पर लाठीचार्ज करना पड़ा था। ऐसा माना जा रहा है कि भविष्य में भी छात्र सीजीएल परीक्षा को लेकर आंदोलन कर सकते हैं और राजधानी में भी प्रर्दशन कर सकते हैं। यही वजह है की पुलिस को डीजीपी द्वारा अलर्ट किया गया है।

इस बैठक में एडीजी अभियान संजय आनंद लाठकर, आईजी अभियान अमोल वी होमकर, आईजी विशेष शाखा प्रभात कुमार,राँची डीआईजी अनूप बिरथरे, विशेष शाखा डीआईजी कार्तिक एस, एसपी अभियान अमित रेणू मौजूद रहे। वहीं डीआईजी धनबाद सुरेंद्र कुमार झा, हजारीबाग डीआईजी सुनील भास्कर, राँची, धनबाद, हजारीबाग और लोहरदगा के एसपी भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए।

सेंदरा रोकने के लिए सोशल पुलिसिंग में भी लगी पुलिसः वहीं दूसरी तरफ डीजीपी के निर्देश के बाद चाईबासा के गुदड़ी इलाके में ग्रामीणों द्वारा पीएलएफआई उग्रवादियों की सेंदर की घटना को रोकने के लिए चाईबासा पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। चाईबासा डीआईजी, एसपी समेत अन्य अधिकारियों को ग्रामीणों के बीच जाकर उन्हें कानून हाथ में नहीं लेने की बात समझाने को कहा गया है। वहीं सोशल पुलिसिंग का भी सहारा पुलिस ने लगी है। पुलिस ने मानकी मुंडा समूहों की भी मदद लेनी शुरू की है ताकि सेंदरा जैसी वारदात को रोका जा सके।ग्रामीण इलाकों में कानून के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए खेल प्रतियोगिताओं का सहारा भी लिया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत कल, 10 लाख मामलों के निपटारे का लक्ष्य

रांची : नेशनल लीगल सर्विस अथोरिटी (नालसा) के कलेंडर और झालसा (झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार) के कार्यपालक अध्यक्ष के निर्देश पर शनिवार को राज्य भर की अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जायेगी। लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों के निष्पादन के लिए हाईकोर्ट समेत जिला अदालतों में कई बेंचों का गठन किया गया है। शनिवार को झालसा के अध्यक्ष, झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और अन्य जजों की मौजूदगी में जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद करेंगे। लोक अदालत में राज्य भर के दस लाख मामलों को निष्पादित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें प्री लिटीगेशन और कोर्ट में लंबित मामले शामिल हैं। लोक अदालत में निष्पादन के लिए जिन मामलों को सूचीबद्ध किया गया है, उसमें करीब एक लाख ऐसे मामले हैं,

हाईकोर्ट ने प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण देने पर लगाया रोक

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में स्थानीय युवाओं को 75 फीसदी आरक्षण देने के कानून पर रोक लगा दी है। यह आदेश राज्य सरकार द्वारा 2021 में पारित किए गए झारखंड राज्य रोजगार अधिनियम 2021 को लेकर दिया गया था, जिसके तहत राज्य सरकार ने निजी कंपनियों से अपेक्षाएँ की थीं कि वे 40,000 रुपये तक वेतन वाली नौकरियों में 75 फीसदी स्थान स्थानीय युवाओं को दें। यह आदेश न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव और न्यायमूर्ति दीपक रौशन की खंडपीठ ने झारखंड लघु उद्योग संघ द्वारा दाखिल की गई याचिका पर

सुनवाई करते हुए दिया। याचिका में संघ ने इस अधिनियम को संविधान के खिलाफ बताते हुए चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि यह कानून झारखंड और अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के बीच भेदभाव करता है।

झारखंड लघु उद्योग संघ के वकील एके दास ने कोर्ट में कहा कि इस अधिनियम से संविधान द्वारा दी गई समानता की गारंटी का उल्लंघन हो रहा है, क्योंकि यह राज्य और राज्य के बाहर के उम्मीदवारों के बीच भेदभाव करता है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार निजी कंपनियों को निर्धारित उम्मीदवारों को रोजगार देने के लिए निर्देशित नहीं कर सकती। दास ने उदाहरण के तौर पर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के फैसलों का हवाला दिया, जहां ऐसे ही कानूनों को रद्द कर दिया गया था। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया और इस याचिका की अगली सुनवाई 20 मार्च को करने के लिए तय की।

ई-चालान कटने से जनता परेशान, चालान माफ करे सरकार : महताब आलम

रांची : ऑनलाइन चालान कटने से रांची की जनता जेएमएम गठबंधन सरकार से परेशान और काफी दुखी है। इन दिनों मामूली सी गलती पर भी लोगों को चालान भरना पड़ रहा है। रांची विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी महताब आलम ने इस प्रकार हल्के फुल्के कारणों को लेकर भारी चालान काटने पर कहा कि सरकार इस प्रकार की वसूली पर रोक लगाएं। रांची प्रशासन का खेल जनता पर भारी पड़ रहा है।अब तो बाइक के पीछे बिना हेलमेट के बैठे सात वर्ष के बच्चे का भी चालान काटा गया। उसी प्रकार हजारों लोगों का चालान रांची में कटा है।लोगों का कहना है कि घर बगल में है, तो बच्चों को स्कूल पहुंचाने के लिए बिना हेलमेट के ही निकल जाते हैं। उसी दौरान चालान काट दिया जाता है। रांची शहर में प्रशासन के द्वारा राजस्व वसूली का धंधा अपने चरम पर है। जिला प्रशासन जनता को चालान काटने के नाम पर खुलेआम वसूली के कार्य में लिप्त है। यह गतिविधि राज्य सरकार के संरक्षण में संचालित हो रही प्रतीत होती है।उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री से मांग किया है कि यह सुनिश्चित हो कि नए ट्रैफिक नियमों के तहत ट्रैफिक पुलिस अब कागजात के अभाव में चालान नहीं काटेगी। बल्कि उन्हें वाहन के कागजों को पूरा करने के लिए समय देगी। साथ ही साथ ट्रैफिक पुलिस अधिकारी जागरूकता अभियान भी चलाएंगे। वाहनों के कागजात अपडेट कराने के लिए प्रदेश में अतिरिक्त सेवा केंद्र खोला जाय। सभी चालान माफ करने के साथ ही तीन माह सुधार का मौका दिया जाए।उन्होने राज्य की जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों का अनुपालन पालन करें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक सामान्य भण्डार डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई - निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा संख्या-35245472, दिनांक-03.12.2024. मद का नाम:** Roof Mounted AC package unit (as per RDSO's Specification. No: ELPS/SPEC/AC/03/ Rev-2 with amendment no- 1 & 2 for SGAC Coaches along with control panel (as per RDSO's Specification. No : ELPS/ SPEC/AC/04/Rev-03 with amendment no :1). रूफ माउण्टेड एसी पैकेज यूनिट एज पर आरडीएसओ स्पेसिफिकेसन नम्बर इएलपीएस / एसपीईसी/एसी/03/आरईवी-2 वीद एमेण्डमेन्ट नम्बर-1 एण्ड 2 फॉर एसजीएसी कोचेज अलोंग वीद कन्ट्रोल पेनल (एज पर आरडीएसओ स्पेसिफिकेसन नम्बर: ईएलपीएस / एसपीईसी / एसी/04/आरईवी/03 वीद एमेण्डमेन्ट नम्बर 1). **कार्य की अनुमानत लागत:** ₹61,95,000/- (इकसठ लाख पिचानवे हजार रूपये मात्र)। **बयाना राशि जो जमा करानी है:** ₹1,23,900/- (एक लाख तेईस हजार नौ सौ रूपये मात्र)। **ई-निविदा जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय:** 02.01.2025, 14:25 से पहले। **ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय:** 02.01.2025, 14:25 के बाद। **वेबसाइट विवरण जहां से ई-निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता है:** www.ireps.gov.in **कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गयी:** उपमुख्य सामग्री प्रबन्धक कार्यालय सामान्य भण्डार डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर 342001 राजस्थान। नोट: 1. यह ई-निविदा है इसमें किसी भी मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के मैनुअल निविदा को सरसरी तौर अस्वीकार कर दिया जाएगा। 2. निविदा दस्तावेज और बकाया राशि का भुगतान केवल आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट पर भुगतान गेटवे की सुविधा के माध्यम से ई.-स्थानान्तरण से ही करे। 1430-AR/24

/NWRailways /NWRailways_ पर फॉलो करें

आर्मी पब्लिक स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

रांची: आज आर्मी पब्लिक स्कूल रांची में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय था कार्टून, पौराणिक और स्वतंत्रता सेनानी । इस प्रतियोगिता ने बच्चों की रचनात्मकता और प्रदर्शन कौशल को उजागर करने का एक शानदार अवसर प्रदान किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने-अपने विषय के अनुसार आकर्षक और रंग-बिरंगे परिधान धारण किए।

कार्टून थीम के तहत बच्चों ने मिकी माउस, डोरेमॉन, छोटा भीम जैसे लोकप्रिय पात्रों का रूप धरकर दर्शकों का मनोरंजन किया। पौराणिक थीम में राम, सीता, कृष्ण और काली माँ जैसे पात्रों को देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो गए। स्वतंत्रता सेनानी थीम ने दर्शकों के दिलों में देशभक्ति की भावना जागृत की। बच्चों ने भगत सिंह, झांसी की रानी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का रूप धरकर उनकी जीवनी और योगदान को प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण प्रतिभागियों द्वारा

मंच पर किया गया आत्मविश्वासी प्रदर्शन और उनके संवाद थे। निर्णायक मंडली में हेड मिस्ट्रेस निशा राय तथा मोहम्मद साबिर हुसैन ने प्रतिभागियों की प्रस्तुति, वेशभूषा और विषय चयन के आधार पर निर्णय लिया। मंच संचालन भावना कुमार ने किया

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य

अभय कुमार सिंह ने सभी बच्चों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल बच्चों की प्रतिभा को मंच प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें अपने इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का काम भी करती हैं। इस कार्यक्रम में उपप्राचार्य मेजर(सेवानिवृत्त) गीता सिंह मौजूद थी।

प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने किया हंगामा, सड़क जाम

रांची: राजधानी रांची के कटहल मोड़ स्थित रिंची अस्पताल में एक प्रसूता की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया। मृतका के परिजनों ने कटहल मोड़ चौक को जाम कर दिया, जिससे इलाके में भारी तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की, लेकिन गुस्साए लोग अस्पताल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय नगर परिषद, लोहरदगा

Email id- nagarparishadlohardaga@gmail.com

दुकान आवंटन हेतु सूचना

नगर परिषद, लोहरदगा के नव निर्मित खादगढ़ा (मिल्लत कॉलोनी) स्थित दुकान संख्या–04 से 19 दुकानों के आवंटन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक व्यक्ति जो दुकान को किराये पर लेना चाहते है, वे नगर परिषद, लोहरदगा से आवेदन पत्र के साथ NIT की प्रति प्राप्त कर अपना आवेदन वांक्षित दस्तावेज के साथ आधार कार्ड, वोटर आईडी, अद्यतन होल्डिंग रसीद एवं रूपये 5,000.00 का डीमान्ड ड्राफ्ट जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद, लोहरदगा के पदनाम से देय होगा। आवेदन के साथ डाक की राशि मुहरबंद लिफाफा में दिनांक– 19.12.2024 अपराह्न– 05:00 बजे तक अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जमा कर सकते है। समर्पित मुहरबंद लिफाफा दिनांक–21.12.2024 के अपराह्न 03:30 बजे नगर परिषद, लोहरदगा में खोला जाएगा।

नोट:– दुकान आंवटन से संबंधित नियम एवं शर्ते कार्यालय, नगर परिषद, लोहरदगा के सूचना पट्ट एवं https://udhd.jharkhand.gov.in पर देखा जा सकता है।

प्रशासक
नगर परिषद, लोहरदगा।

PR.NO.341820 Lohardaga(24-25):D

रोटरी रांची में स्किन केयर जागरूकता अभियान

स्किन और हेयर की बेसिक केअर जरूरी : डॉ मिनाली मिड्ढा

रांची: ज्यादातर चर्म रोग स्वच्छता के अभाव में होते हैं। अगर हम अपने शरीर और आसपास स्वच्छता का ध्यान रखें, तो चर्म से संबंधित कई रोगों से बचे रहेंगे। स्किन और हेयर का बेसिक केयर करना बहुत जरूरी है। यह कहना है डर्माटीलॉजिस्ट, हेयर फॉल एवं कोस्मोटोलॉलिस्ट स्पेशलिस्ट डॉ मिनाली मिड्ढा का। डॉ मिड्ढा रोटरी हॉल रांची में आयोजित विशेष जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब के अध्यक्ष गौरव बगरॉय ने किया।

डॉ मिड्ढा ने कहा कि हमारे आसपास के वातावरण में मौजूद धूल कणों, वायरस और बैक्टीरिया की वजह से चर्म रोग की समस्या उत्पन्न हो जाती है। हरेक इंसान की त्वचा एक जैसी नहीं होती और न ही इस पर समान कारणों का एक जैसा प्रभाव पड़ता है। इसलिए धूप में निकलते वक्त त्वचा को सुरक्षित रखने के उपायों को अपनाएं। त्वचा को लेकर किसी भी तरह के प्रोडक्ट व सनस्क्रीन लोशन बिना डॉक्टर की सलाह के न इस्तेमाल करें। अपनी मर्जी से त्वचा के लिए इस्तेमाल किए गए प्रोडक्ट से जहा त्वचा पतली हो जाती है, वहीं बेजान भी हो जाती है, जिससे त्वचा की चमक खत्म हो जाती है और त्वचा रूखी हो जाती है। चेहरे पर साबुन का अधिक इस्तेमाल से भी नुकसान होता है। दाद और खुजली पर बिना डॉक्टर के परामर्श से किसी भी प्रकार की दवा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। यह रोग पसीना आने वाले स्थानों पर अधिक होता है। इस कारण ऐसे स्थानों को पॉउडर द्वारा सूखा रखना चाहिए।

असमय बाल सफेद होने के मामले में डॉ मिड्ढा ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए त्वचा रोग विशेषज्ञ से जांच करवाएं। अपनी मर्जी से किसी भी तरह की डाई बिल्कुल न लगाएं। क्योंकि, कई तरह की हेयर डाई से सिर की त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है।

डॉ मिड्ढा ने कहा कि एक उम्र के बाद चेहरे पर झुर्रिया पड़ना आम बात है, लेकिन समय से पहले झुर्रिया पड़ने का अर्थ है त्वचा को सही पोषण न मिलना। झुरियों से निजात पाने के लिए अच्छा होगा कि दिन के वक्त जब भी घर से बाहर निकलना हो तो चेहरे के साथ ही साथ गर्दन पर त्वचा रोग विशेषज्ञ द्वारा बताई गई सनस्क्रीन लगाएं। मसालेदार और मीठे खाद्य पदार्थो से बचे। कब्ज की समस्या से बचे। त्वचा में नमी को बरकरार रखने के लिए रोजाना तीन लीटर पानी जरूर पीएं।

डॉ मिड्ढा ने कहा कि युवा पीढ़ी में मुहासों की समस्या काफी सामने आ रही है। मुहासों की समस्या से बचने के लिए त्वचा की नियमित सफाई करे। तैलीय पदार्थो, मिठाई, चाकलेट एरेटेड पेय व मसालेदार भोजन से परहेज करे। डॉ मिड्ढा ने उपस्थित लोगों के सारे सवालों का जवाब दिया।

इस अवसर पर अजय छाबड़ा, जोगेश गंभीर, अनिल कुमार सिंह

राजीव मोदी, शाहिद पाल, रेखा सिंह, मनोज तिवारी, डॉ अनिल कुमार पांडे, प्रवीण राजगढ़िया, सुरेश साबू, राजेश नाथ साहदेव, हरमिंदर सिंह, अमित अग्रवाल, अर्श जमील अशफाक, गौरव प्रशांत, भंडारीलाल, रवीन्द्र सिंह चड्ढा, डॉ। विनय ढाँढनिया, रमेश कुमार धरणीधरका, नरेंद्र कुमार माखीजा, सुधीर मिश्रा, कांता मोदी, ख्याति मुंजाल, प्रकाश सरावगी, जसदीप सिंह,अजय दीप वाधवा, रजत बहल, आस्था बहल उपस्थित थे।

उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, खूँटी
(जिला खेल शाखा)
विकास भवन, ग्राउण्ड फ्लोर, खूँटी
Email ID :- dsokhunti2017@gmail.com

दैनिक पारिश्रामिक कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति संबंधित सूचना

जिला खेल कार्यालय, खूँटी के लिए दैनिक पारिश्रामिक कम्प्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति एवं सेवा शर्त्त प्रक्रिया निम्नवत् है :–

क्र0	पद	संख्या	अर्हता
1	डाटा इन्ट्री ऑपरेटर (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 (एक)	**अनिवार्य योग्यता:–** सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय /संस्थान से स्नातक एवं Diploma in Computer Application हो। **कार्य अनुभव:–** ➢ कम से कम तीन वर्षों का कार्य से संबंधित अनुभव होना आवश्यक है। ➢ टाईपिंग स्पीड हिन्दी में प्रति मिनट 30 शब्द (wpm) एवं अंग्रेजी में प्रति मिनट 40 शब्द (wpm) का होना चाहिए। **आयु सीमा:–** ➢ न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष अधिकतम आयु सीमा – 40 वर्ष

राष्ट्रीयता :– आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए।

➢ यह पद पूर्णतः अस्थायी होगा। किसी भी समय अभ्यर्थी को पद मुक्त करने का अधिकार उपायुक्त, खूँटी को सुरक्षित होगा।

➢ आवेदन प्रपत्र http://khunti.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही जिला खेल कार्यालय, खूँटी के सूचना पट्ट पर आवेदन पत्र को देखा जा सकता है।

➢ आवेदन प्राप्ति की तिथि 14.12.2024 से 28.12.2024 तक जिला खेल पदाधिकारी, खूँटी के कार्यालय में (कार्यालय अवधि में) आवेदन विहित प्रपत्र में (स्वलिखित भी) भरकर सीलबंद लिफाफा में अपने स्वहस्ताक्षरित शैक्षणिक प्रमाण पत्र एवं कार्य अनुभव प्रमाण पत्र के साथ जमा करना होगा साथ ही स्वहस्ताक्षरित Diploma in Computer Application का प्रमाण पत्र भी संलग्न करना अनिवार्य होगा।

➢ Shortlisted आवेदको के कम्प्यूटर टाईपिंग परीक्षा हेतु तिथि एवं स्थान पुनः प्रकाशित की जाएगी।

टिप्पणी :– उपायुक्त, खूँटी किसी भी उम्मीदवार की पात्रता को स्वीकार एवं निरस्त करने का अधिकार रखते है।

उपायुक्त, खूँटी के आदेशानुसार
जिला खेल पदाधिकारी, खूँटी।

PR 341878 (District) 24-25 (D)

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

संसद में दलदल

संसद बुरी तरह निराश कर रही है। लोगों की अपेक्षाएं ध्वस्त हो रही हैं। लोक सभा में इस समय जो हो रहा है । वैसे तो वह लंबे समय से सिलसिला बना हुआ है, लेकिन अब लगता है कि संसद को,संसद की गरिमा को और संसद के प्रति जन आस्था को जिस दलदल में फंसा दिया गया है। वहां से इसका उबरना या अपने धवल रूप में बाहर आना संभव नहीं रह गया है। संसद के इस तरह निरर्थक बना देने के लिएन कोई एक व्यक्ति जिम्मेदार है। न कोई एक दल और न कोई एक मुद्दा। हर मुद्दा विवादित, हर व्यक्ति उत्तेजित और हर दल आक्रामक है। सरकार संसद न चलने देने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाती रहती है और विपक्ष इसके लिए सरकार को कठघरे में खड़ा करता रहता है। सभापति या अध्यक्ष जैसे जिन पदों पर तटस्थ निष्पक्ष और निर्णायक भूमिका में बने रहने की अपेक्षा होती है वे ड़गमगाहट के शिकार होने लगे हैं। ऐसा पहली बार है कि राज्य सभा के सभापति के विरुद्ध विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। यह घटना अब तक के संसदीय इतिहास की अपनी तरह की पहली घटना है और इसे काले धब्बे की तरह याद किया जाएगा। विपक्ष का आरोप है कि उपराष्ट्रपति एवं राज्य साभा के सभापति जगदीप धनखड़. विपक्ष के नेताओं को बोलने नहीं देते। नेता विपक्ष के प्रति अवांछित भाषा एवं व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। भाजपा के प्रवक्ता के बतौर काम करते हैं। सरकार के झूठ का खंड़न नहीं करने देते। ऐसे सभापति को पद पर नहीं रहना चाहिए। सरकार इसे विपक्ष की अतिवादिता बताती है और विपक्ष का निम्न आचरण करार देती है। सरकार और विपक्ष के बीच यह ऐसा गतिरोध है जिसका कोई समाधान नहीं है। विपक्ष को पता है कि राज्य सभा में उसके पास संख्याबल नहीं है और अविश्वास प्रस्ताव को गिर जाना है लेकिन शायद विपक्ष इस प्रस्ताव की भावी दुष्परिणति की कल्पना नहीं कर पा रहा है। इसने सरकार को और अधिक थेथर बना दिया है। हो सकता है कि वह अपने सभापति के किसी आचरण या विशेष कृत्य को उचित न मानती हो,लेकिन कमर कस के सभापति के पक्ष में खड़ी रहेगी और संसद चले या नहीं चले, विपक्ष की मंशा पूरी नहीं होने देगी। विपक्ष को यह प्रस्ताव लाने से बचना चाहिए था। इससे उसने न अपना भला किया है और न संसद का न लोकतंत्र का और न देश की जनता का।

भ्रामक वादे क्यों

सौंदर्य प्रसाधन क्रीम जो गोरापन बढ़ाने का दावा करती है पर उपभोक्ता फोरम ने पंद्रह लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि 2013 में उसने यह क्रीम 79 रुपये में खरीदी थी। उसका इस्तेमाल करने के बावजूद उसकी त्वचा गोरी नहीं हुई जैसा कि उसका वादा था। फोरम ने गौर किया कि उसने उत्पाद की पैकेजिंग और लेबल पर दिए निदेर्शों के अनुसार क्रीम का नियमित रूप से प्रयोग किया। कंपनी का कहना था। शिकायतकर्ता साबित करने में असमर्थ है कि उसने निदेर्शानुसार क्रीम का उपयोग किया। उत्पाद पर अंतिम लिखित तर्कों पर है कि उत्पाद 16- 35 आयु वर्ग के सामान्य पुरुषों (बीमार लोगों के लिए नहीं) के लिए है। फोरम का सवाल है बीमार से क्या मतलब है? उपभोक्ता फोरम ने माना कि कंपनी जानती थी कि लिखित निर्देश अधूरे हैं। अन्य आवश्यकताओं का पालन न करने पर इसके वे परिणाम नहीं मिलेंगे,जिसका दावा किया गया है। वांछित परिणामों के लिए उचित पौष्टिक आहार, व्यायाम, अच्छी आदतों और स्वच्छ रहने की आवश्यकता बताई गई है। देश में त्वचा की रंगत सुधारने का दावा करने वाली क्रीमों का बड़ा बाजार है। बीते साल इन क्रीमों ने पांच हजार करोड़.से ज्यादा का व्यापार किया। तमाम विवादों के चलते गोरापन बढ़ाने का दावा करने वाली सबसे ज्यादा बिकने वाली क्रीम ने अपने चर्चित नाम से गोरेपन को हटा कर सबको चौंका दिया था। भारतीयों में गोरी चमड़ी के प्रति आकर्षण कम होता नहीं नजर आ रहा जिसका फायदा ये बड़ी सौंदर्य कंपनियां अरसे से उठाती रही हैं। कुछ विशेषज्ञों का कहना यह भी है कि इन क्रीमों के ज्यादा इस्तेमाल से किड़नी संबंधी बीमारियों की आशंका बढ़ सकती हैं। ऐसी गंभीर आशंकाओं की अनदेखी उचित नहीं है। बात सिर्फ मुआवजा देने भर की नहीं है। त्वचा की रंगत को लेकर उपभोक्ताओं के भीतर विभेद उपजाना जायज नहीं कहा जा सकता। त्वचा का रंग प्राकृतिक रूप से स्थानीय वातावरण, रहन-सहन और क्षेत्रीयता पर निर्भर है जिसे कमतर या बेहतर साबित कर बाजार उपभोक्ताओं का मानसिक शोषण करता रहा है। सरकार को ऐसे भ्रमपूर्ण विज्ञापनों पर सख्ती करने के साथ ऐसे उत्पादों की बिक्री पर पाबंदी लगाने सरीखे कदम उठाने से परहेज नहीं करना चाहिए।

भारत के खिलाफ बड़ी साजिश

जार्ज इस मानसिकता को तो पहचानने ही लगे हैं। इसलिए वह गाहे बगाहे भारत के व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रायः आरोप लगाते रहते हैं। अप्रत्यक्ष रूप से वह विपक्ष को समय कुसमय आरोप रूपी हथियार मुहैया करवाने का काम करते हैं, जिसकी विपक्ष प्रतीक्षा ही नहीं करता, बल्कि शायद आरोप मैनुफैक्चरिंग का आर्डर भी देता है। भाजपा का सोनिया गांधी व राज परिवार के अन्य सदस्यों पर यही आरोप है कि वे इन हथियारों के केवल खरीददार ही नहीं, बल्कि आदेश देकर भी इन हथियारों को तैयार करवाने वाले हैं। मैं यह मानने को तैयार नहीं कि कांग्रेस या कांग्रेस पर गेंडुली मार कर बैठे राज परिवार को जार्ज सोरोस के क्रियाकलापों एवं अन्य धंधों के बारे में पता न हो। सब जानते हैं कि पिछले कुछ सालों से वे उस हर बिल का विरोध करते हैं जो भारत की संसद पास करती है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने का उसने विरोध किया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम का भी जार्ज विरोध करता था।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

पिछले दो दिनों से संसद में जार्ज सोरोस ,सोनिया गांधी व राहुल गांधी की निकटता को लेकर हंगामा होता रहा। मूल रूप से जार्ज सोरोस हंगरी के हैं। लेकिन लंबा अरसा पहले वह अमेरिका में आकर बस गए थे। लेकिन यह कोई ऐसी घटना नहीं है जिसके कारण सोरोस को कठघरे में खड़ा कर दिया जाए। इस लिहाज से तो अमेरिका के 99 फीसदी लोग यूरोप से ही गए हुए हैं और वहां के नेटिव इंडियन को गुलाम बना कर वहां अपनी सत्ता बना कर बैठे हैं। इसलिए जार्ज सोरोस अमेरिका में कोई अनोखे यूरोपीय नहीं हैं। लेकिन उनका अनोखापन इसके बाद शुरू होता है। उन्होंने अमेरिका में अच्छा खासा पैसा कमा लिया है। यूरोप के लोग जब अमेरिका में धन कुबेर बन जाते हैं तो वे कोई न कोई फाऊंडेशन चलाना शुरू कर देते हैं। यह उनका फालतू के समय का शौक है। फाऊंडेशन के नाम पर वे एशिया और अफ्रीका के मेधावी छात्रों को अमरीका में बुला कर कायदे से पढ़ाते-लिखाते हैं और फिर वापस एशिया और अफ्रीका के देशों में भेज देते हैं। कायदे से का अर्थ तो सब समझते हैं। इसके अतिरिक्त ये फाऊंडेशन दूसरे देशों में बौद्धिक व राजनीतिक तोडफोड़ अकादमिक तरीकों से करते रहते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं मानना चाहिए कि जार्ज सोरोस जैसे धन कुबेरों का यह शौक है। वे ये सभी धंधे अमेरिका के आर्थिक, सांस्कृतिक हितों की सुरक्षा के लिए करते हैं। इसको सभ्यताओं के संघर्ष की पृष्ठभूमि में भी देखा जा सकता है। भारत या एशिया के दूसरे देश यदि आर्थिक लिहाज से ताकतवर बनते हैं तो अमेरिका व उसकी फाईव आईज की आर्थिकता खतरे में पड़ जाती है। इस पूरी पृष्ठभूमि में अमरीका के जार्ज सोरोस को पकड़ना होगा। इस अमेरिकी जार्ज का भी जार्ज सोरोस फाऊंडेशन है। लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं होता है। अमेरिका के ऐसे फाऊंडेशन अनेक छोटी-बड़ी संस्थाओं को जब देते हैं जिनका वित्त पोषण फाऊंडेशन ही करते हैं। लेकिन साधारणतया किसी को यह पता नहीं चलता कि इन संस्थाओं का वित्त पोषण कौन करता है। ऊपरी तौर पर ये संस्थाएं निर्दोष, बौद्धिक व अकादमिक संस्थाएं ही नजर आती हैं। जार्ज सोरोस फाऊंडेशन ने भी इस प्रकार की कुछ संस्थाओं को अंधेरे में जन्म दिया हुआ है। ऐसी ही एक संस्था फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक है। इस संस्था को पैसा जार्ज सोरोस ही देता है, चाहे सीधे हाथ से, चाहे उलटे हाथ से। यह संस्था जम्मू कश्मीर को भारत का हिस्सा नहीं मानती और दूसरे देश भी ऐसा ही करें, इसके लिए अकादमिक पर्दे में कोशिश करती रहती है। इतना ही नहीं, वह भारत का समाधान उसके टुकड़ों में बंट जाने को ही मानती है। भाजपा का आरोप है कि   सोनिया गांधी के राजीव गांधी फाऊंडेशन का जार्ज सोरोस की इस संस्था से गहरा संबंध है। जार्ज सोरोस इस बात को छुपाते नहीं कि वह वचनों से ही भारत विरोधी नहीं हैं, बल्कि वह सक्रियता में भी भारत विरोधी हैं। ऐसे व्यक्ति और ऐसी संस्था से राजीव गांधी फाऊंडेशन का किस प्रकार का संबंध है, इसका खुलासा होना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मामला भारत की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर भी इस बात को नहीं छुपाते कि जार्ज सोरोस उनके मित्र हैं। ध्यान रहे कि कांग्रेस के ही एक बड़े नेता नटवर सिंह पहले ही कांग्रेस को आगाह कर चुके हैं कि पार्टी को अपने भीतर की तलाशी लेकर अपने घर में रह रही विदेशी शक्तियों के समर्थकों को बाहर करना चाहिए। लेकिन जब आरोप सोनिया गांधी पर हों तो तलाशी कौन लेगा और कौन किसको बाहर करेगा? अमेरिका के मीडिया पर भी कुछ सीमा तक नियंत्रण करते हैं, क्योंकि अखबार चला रही कम्पनियों में उनकी भारी हिस्सेदारी है। जार्ज सोरोस ने आगेर्नाइज्ड क्राइम एंड क्रप्शन रिपोटिंग प्रोजैक्ट नाम से एक संस्था खोल रखी है जो दूसरे देशों के नेताओं और व्यवसायियों को ब्लैकमेल करने का काम करती है। वह दूसरे देशों के उन नेताओं व व्यवसायियों पर कुछ आरोप लगाती है जिनको वह अपने हिसाब से चलाना चाहती है। जार्ज सोरोस जानते हैं कि लंबे अरसे तक यूरोपीय देशों के गुलाम रहने के कारण एशिया व अफ्रीका का जनसाधारण किसी भी यूरोपीय देश या अमरीका के किसी भी अदने से व्यक्ति के आरोप को भी सिर आंखों पर लेता है। यह औपनिवेशिक संस्कारों से अभी तक भी मुक्त न होने के कारण ही है। जार्ज इस मानसिकता को तो पहचानने ही लगे हैं। इसलिए वह गाहे बगाहे भारत के व्यक्तियों और संस्थाओं पर प्रायः आरोप लगाते रहते हैं। अप्रत्यक्ष रूप से वह विपक्ष को समय कुसमय आरोप रूपी हथियार मुहैया करवाने का काम करते हैं, जिसकी विपक्ष प्रतीक्षा ही नहीं करता, बल्कि शायद आरोप मैनुफैक्चरिंग का आर्डर भी देता है। भाजपा का सोनिया गांधी व राज परिवार के अन्य सदस्यों पर यही आरोप है कि वे इन हथियारों के केवल खरीददार ही नहीं, बल्कि आदेश देकर भी इन हथियारों को तैयार करवाने वाले हैं। मैं यह मानने को तैयार नहीं कि कांग्रेस या कांग्रेस पर गेंडुली मार कर बैठे राज परिवार को जार्ज सोरोस के क्रियाकलापों एवं अन्य धंधों के बारे में पता न हो। सब जानते हैं कि पिछले कुछ सालों से वे उस हर बिल का विरोध करते हैं जो भारत की संसद पास करती है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने का उसने विरोध किया था। नागरिकता संशोधन अधिनियम का भी जार्ज विरोध करता था। इसके बावजूद अपने-अपने फाऊंडेशनों के माध्यम से दोनों चोर-सिपाही का खेल, खेल रहे हैं, जो कभी भविष्य में काफी खतरनाक हो सकता है। लेकिन सत्ता पाने की हड़बड़ी में राज परिवार ऐसा घिनौना खेल भी खेलेगा, यह किसी को आशा नहीं थी। सबसे बड़ी बात यह थी कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने संसद में ही जार्ज सोरोस का पक्ष लेना शुरू कर दिया। इस सबसे इतना तो संकेत मिलता ही है कि कांग्रेस जार्ज को लेकर जरूर कुछ न कुछ छुपा रही है। देश को चिंता भी इसी बात को लेकर है। जब भारत के सैनिक सीमा पर लड़ रहे थे तो राजीव गांधी दिल्ली स्थित चीन के दूतावास में वहां के अधिकारियों के साथ गंभीर मंत्रणा करते पकड़े गए थे। यह संदिग्ध परंपरा की ओर भी संकेत करता है। सरकार को कांग्रेस की इस प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों की गंभीरतापूर्वक जांच करवा लेनी चाहिए।

जागो और जागरूक जीवन जिओ

एक जागा हुआ जीवन जिम्मेदारियों से भरा हुआ जीवन होता है। अपने प्रति जिम्मेदारी। अपने से जुड़े लोगों के प्रति जिम्मेदारी। समाज, राष्ट्र और इस पृथ्वी के प्रति जिम्मेदारी। बुद्ध इस हद तक का जागा हुआ जीवन जीना चाहते थे कि एक बार आनंद के साथ चलते हुए अचानक एक मक्खी उनके चेहरे के आगे आकर भिनभिनाई तो उन्होंने झटके से हाथ से उसे उड़ा दिया। कुछ आगे जाने के बाद उन्होंने मक्खी उड़ाने का फिर से वही एक्शन किया पर इस बार हाथ को बहुत धीमे से उठाकर घुमाया।

सुंदरचंद ठाकुर

अगर हम कुछ नहीं जानते तो हम यह जानते हुए पूरा जीवन निकाल सकते हैं कि हम सब कुछ जानते हैं। लेकिन अगर हम वाकई जानते हैं तो हम यह मानेंगे कि हम कुछ नहीं जानते और पूरा जीवन कुछ सीखने की प्रयास करते रहेंगे। दुनिया में ज्यादातर लोग इस भ्रम का शिकार हैं कि वे सबकुछ जानते हैं। क्योंकि कुछ न जानते हुए भी उन्हें लगता है कि वे सबकुछ जानते हैं इसलिए वे हमेशा टकराव में बने रहते हैं। उनके साथ भी जो उनकी तरह कुछ नहीं जानते और समझते हैं कि सब जानते हैं और उनके साथ भी जो वाकई जानते हैं। ज्ञान की आंखों के खुलने का पहला प्रमाण यह अनुभूति है कि हम कुछ नहीं जानते।

एक बार एक व्यक्ति एक जेन साधु के पास पहुंचा। वह उस साधु से बहुत कुछ सीखना चाहता था। कुछ देर बातचीत के बाद जेन साधु ने अपने उस मेहमान के लिए चाय मंगाई और वह केतली से कप में चाय उड़लने लगे। कप भर गया लेकिन फिर भी वे चाय उड़लते रहे। यह देखकर उस व्यक्ति के मुंह से निकला- अरे रे रे, ये क्या कर रहे हैं साधु महाराज। कप तो भर चुका है। अब आप उसमें चाय क्यों डालते जा रहे हैं।

उसकी बात सुनकर साधु रुके और बोले- यह मानते हो न कि कप में चाय डालने के लिए जरूरी है कि कप में जगह रहे। भरे हुए कप में चाय डालने से वह बाहर ही गिरेगी। वही बात मैं तुम्हें बताना चाहता था कि अगर मुझसे ज्ञान पाना चाहते हो, तो अपना दिमाग खाली करके आओ। उसमें पहले ही बहुत सारा ज्ञान भरा हुआ है। इस भरे दिमाग में मैं जो भी ज्ञान दूंगा वह बाहर ही गिरेगा। जिसने भी अपने जीवन को जाना उसने जागने की बात की। जागने की क्रिया शुरू ही इस अहसास से होती है कि हम कुछ नहीं जानते। इस संसार में लोग कई-कई तरह की बेहोशी के मारे हैं। किसी को अपने शारीरिक सौष्ठव का नशा है। वह शरीर को ही सबकुछ मानने की बेहोशी में जीवन जिए जा रहा है। किसी को अपने खानदान के मान-सम्मान, उसकी धन-संपदा का नशा है। वह मान-सम्मान और धन-संपदा की बेहोशी में जिए जा रहा है। किसी को अपने ताकतवर पद का नशा है। वह पद की बेहोशी में जिए जा रहा है। यह अधूरा जीवन है। जब तक आप हर तरह के नशों से, हर तरह की बेहोशी से मुक्त नहीं हो जाते, तब तक आप अधूरा जीवन जीते हैं। जीवन का कमल जब पूरी तरह खिल जाता है, तो उसकी सुंदरता ही कुछ और हो जाती है। वह इतना सुंदर होता है कि सारी आंखें उसी ओर उठने लगती हैं। एक जागा हुआ जीवन जिम्मेदारियों से भरा हुआ जीवन होता है। अपने प्रति जिम्मेदारी। अपने से जुड़े लोगों के प्रति जिम्मेदारी। समाज, राष्ट्र और इस पृथ्वी के प्रति जिम्मेदारी। बुद्ध इस हद तक का जागा हुआ जीवन जीना चाहते थे कि एक बार आनंद के साथ चलते हुए अचानक एक मक्खी उनके चेहरे के आगे आकर भिनभिनाई तो उन्होंने झटके से हाथ से उसे उड़ा दिया। कुछ आगे जाने के बाद उन्होंने मक्खी उड़ाने का फिर से वही एक्शन किया पर इस बार हाथ को बहुत धीमे से उठाकर घुमाया। आनंद ने देखा तो पूछा- हे बुद्ध, पहले तो आपने मक्खी उड़ाने के लिए हाथ घुमाया था, पर अभी तो कोई मक्खी न आई थी, फिर क्यों हाथ घुमाया। बुद्ध बोले- जब मक्खी आई तो मैंने अनायास बेहोशी में हाथ हिला दिया। मैं जरा होश में और पूरे बोध में रहकर हाथ हिलाने का अभ्यास कर रहा था। आज इसी बोधपूर्ण, इसी जागरूक जीवन की जरूरत है। एक बार जीवन में ऐसा जागरण आ गया, तो अपने आप सारी मुश्किलें, सारी समस्याएं दूर होने लगेंगी। और यह लाभ सिर्फ आप तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि आपसे जुड़े लोगों और जगत तक भी पहुंचेगा।

विकृतियां

चिंतन-मनन

श्रीराम शर्मा आचार्य

कृतियां दिखती भर ऊपर हैं पर उनकी जड़ अंतराल की कुसंस्कारिता के साथ जुड़ी रहती है। यदि उस क्षेत्र को सुधारा, संभाला, उभारा जा सके तो समझना चाहिए कि चिन्तन, चरित्र और व्यवहार बदला और साथ ही उच्चस्तरीय परिवर्तन भी सुनिश्चित हो गया। भगवान असंख्य सिद्धियों का भंडारागार है। उसमें संकटों के निवारण और अवांछनीयताओं के निराकरण की भी समग्र शक्ति है। वह मनुष्य के साथ संबंध घनिष्ठ करने के लिए भी उसी प्रकार लालायित रहता है। जैसे माता अपने बालक को गोद में उठाने, छाती से लगाने के लिए लालायित रहती है। मनुष्य ही है जो वासना, तृष्णा के खिलौने से खेलता भर रहता है और उस दुलार की ओर से मुंह मोड़े रहता है। जिसे पाकर वह सच्चे अर्थों में कृतकृत्य हो सकता था। उसे समीप तक बुलाने और उसका अतिरिक्त उत्तराधिकार पाने के लिए आवश्यक है कि उसके बैठने के लिए साफ- सुथरा स्थान पहले से ही निर्धारित कर लिया जाए। यह स्थान अपना अन्तःकरण ही हो सकता है। अन्तःकरण की श्रद्धा और दिव्य चेतना के संयोग की उपलब्धि, दिव्य संवेदना कहलाती है। जो नये सिरे से नये उल्लास के साथ उभरती है। यही उसकी यथार्थता वाली पहचान है अथवा मान्यता तो प्रतिमाओं में भी आरोपित की जा सकती है। तस्वीर देख कर भी प्रियजन का स्मरण किया जा सकता है पर वास्तविक मिलन इतना उल्लास भरा होता है कि उसकी अनुभूति अमृत निर्झरिणी उभरने जैसी होती है। इसका अवगाहन करते ही मनुष्य कायाकल्प जैसी देवोपम स्थिति में जा पहुंचता है। उसे हर किसी में अपना आपा हिलोरें लेता दीख पड़ता है और समग्र लोक चेतना अपने भीतर घनीभूत हो जाती है। ऐसी स्थिति में परमार्थ ही सच्चा स्वार्थ बन जाता है। दूसरों की सुविधा अपनी प्रसन्नता प्रतीत होती है और अपनी प्रसन्नता का केंद्र दूसरों की सेवा-सहायता में घनीभूत हो जाता है। ऐसा व्यक्ति अपने चिन्तन और क्रियाकलाप को लोक-कल्याण में सत्प्रवृत्ति-संवर्धन में ही नियोजित कर सकता है। व्यक्ति के ऊपर भगवत सत्ता उतरे तो उसे मनुष्य में देवत्व के उदय के रूप में देखा जा सकता है। यदि यह अवतरण व्यापक हो, तो धरती पर स्वर्ग के अवतरण की परिस्थितियां ही सर्वत्र बिखरी दृष्टिगोचर होंगी।

आपके पत्र

ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सारांश

राजस्थान राइजिंग ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में पहले दिन मंच से 8.5 लाख करोड़ के निवेश की घोषणाएं की गईं। भारत की बढ़ती इकोनॉमी में दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति की तरफ भारत के बढ़ते कदमों ने दुनिया को चौंका कर रख दिया है। कुछ वर्षों पूर्व भारत गरीब और मजबूर देश की गिनती में आता था। अब देश का कुशल हाथों से संचालन और कुशल नेतृत्व से भारत तीसरी बड़ी इकोनॉमी वाला देश बनने जा रहा है।

सुख, समृद्धि और आर्थिक स्वावलंबन में भारत काफी तरक्की कर रहा है। राजस्थान राइजिंग ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में नए सफर की शुरूआत देश के लिए बड़ी उपलब्धि के समान है। जयपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 17 देशों की साझेदारी देखने को मिली। भारत लो कास्ट मैन्युफैक्चरिंग और आत्मनिर्भरता का बड़ा संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है।

केसी वर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

कड़ाके की ठंड में भी नहीं हुआ अलाव व कंबल की व्यवस्था

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हालांकि प्रशासन द्वारा गरीबों को ठंड से बचाने के लिए अब तक पर्याप्?त तैयारी नहीं की गई है। इससे क्षेत्र वासियों में नाराजगी है। राहगीरों बाईक चालक वाहन चालक को ठंड से बचाने के लिए अब तक चौक चौराहों में अलाव की ०?यवस्?था नहीं की गई है। अलाव की ०?यवस्?था अब तक नहीं किए जाने से लोगों को ठंड से निजात नहीं मिल पा रही है। लोगों ने कहा कि अन्?य वर्ष कड़ाके की ठंड पड़ने से पूर्व ही प्रशासन द्वारा चौक चौराहों में अलाव की ०?यवस्?था कर ली जाती थी। लेकिन इस वर्ष प्रशासन द्वारा इस मामले में अब तक सुस्?ती बरती जा रही है।वहीं गरीब मजदूर कराके की ठंड में जान जोखिम में

डाल कर अपनी जीविका के तलाश में जुटे रहते है। प्रशासन के द्वारा अब तक किसी प्रकार का कोई कंबल व अलाव का इंतजाम नहीं किया गया हैं।आम आदमी की सुविधा के लिए इस बार गरीबों को कंबल देने या ठंड से बचाव के लिए अलाव की व्यवस्था करना चाहिए

क्या कहते हैं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभारी अंचलाधिकारी मेघनाथ उरांव

मिजाचौकी रेलवे स्टेशन, मिजाचौकी हटिया, भगैया, मंडरो, विभिन्न जगह-जगह पर एक दो दिनों के अंदर अलाव का व्यवस्था करा दिया जाएगा जीससे आम नागरिक के साथ साथ राहगीरों को राहत मिलेगी कंबल वितरण भी एक सप्ताह के अंदर करा दिया जाएगा जीससे गरीब असहाय लोगों को ठंड से राहत बचाव मीलेगी।इस अवसर पर ग्रामीण बब्लू कुमार प्रिंस कुमार, गणेश कुमार, निकेश कुमार, विक्की कुमार, चंदन कुमार, पप्पू राम आर्यन कुमार उपस्थित थे ।

न्यूज ब्रीफ

लातेहार में तालाब में डूबने से एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत

लातेहारः जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हुंबू गांव में एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत तालाब में डूबने से हो गई. इस घटना के बाद पूरे गांव में कोहराम मच गया है. घटना की सूचना मिलने के बाद सीओ अमित कुमार और थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया ने घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की.

दरअसल हुंबू गांव के कुसुमटोला निवासी फुलदेव उरांव की पत्नी अपने खेतों में धान काटने गई थी. उनके साथ उसका 5 वर्षीय बेटा और तीन वर्षीय बेटी भी खेत में गए थे. महिला अपने खेतों में धान काट रही थी. इसी दौरान दोनों बच्चे खेलते- खेलते तालाब के पास चले गए. अचानक बच्चों का पैर फिसल गया और दोनों बच्चे तालाब के गहरे पानी में गिर गए. जब तक महिला को बच्चों के डूबने की खबर हुई तब तक काफी देर हो गई थी. महिला के द्वारा शोर मचाए जाने के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे. काफी मशक्कत के बाद बच्चों के शव को तालाब से निकाला गया, परंतु तब तक दोनों की मृत्यु हो गई थी. घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल बन गया है. मृतक बच्चों के परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है.

इधर इस संबंध में सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया और अंचल अधिकारी अमित कुमार ने घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली. अंचल अधिकारी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि सरकारी प्रावधान के तहत परिजनों को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी. अधिकारियों की पहल के बाद दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा गया. इस संबंध में थाना प्रभारी कृष्ण पाल सिंह पवैया ने बताया कि बच्चों की डूबने की खबर मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन की. उन्होंने कहा कि परिजनों ने बताया कि दोनों बच्चे खेलने के दौरान तालाब में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई है. पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है.

उपायुक्त ने दिव्यांगों के बीच किया ट्राई साइकिल का वितरण

साहिबगंज : समहरणालय परिसर में उपायुक्त हेमंत सती के हाथों देर शाम समाजिक सुरक्षा विभाग के द्वारा 13 दिव्यांगों को ट्राई साइकिल का वितरण किया गया। बताया गया कि जिला में 300 से अधिक दिव्यांगों को ट्राई साइकिल वितरण का लक्ष्य है।मौके पर सहायक निदेशक,जिला सामाजिक सुरक्षा अनिल कुमार व अन्य कर्मी उपस्थित थे।

गीतांजलि बैंक्विट हॉल में आभार समागम कार्यक्रम का आयोजन

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार 21 दिसंबर 2024 को गीतांजलि बैंक्विट हॉल बोड़ेया रोड रांची में आभार समागम कार्यक्रम आयोजित किया गया है।इस आभार समागम कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सदस्य,प्रदेश प्रतिनिधि,जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष, प्रखंड मंडल के अध्यक्ष,प्रदेश, मोर्चा विभाग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष चेयरमैन,मीडिया विभाग,सोशल मीडिया के चेयरमैन को आमंत्रित किया गया है।जिसकी जानकारी साहिबगंज कांग्रेस जिल अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने दी।उन्होंने बताया साहिबगंज जिला कांग्रेस कमिटी के सभी लोगों से अपना नाम,पद और दूरभाष 15 दिसंबर 2024 तक कांग्रेस जिला अध्यक्ष के पास भेजने दे,ताकि आपकी यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस कमिटी को भेज दे।जिससे आप लोगों की समय पर सभी व्यवस्था की जा सके।

मुख्यमंत्री चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल प्रबंधन की बैठक संपन्न

दुमका : संथाल परगना प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त लालचन्द डाडेल की अध्यक्षता में गुरुवार को दुमका में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड, राँची के नियंत्राधीन फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, दुमका के भवनों के नियमित एवं आवधिक रख-रखाव, संचालन, प्रबंधन तथा मरम्मति हेतु ₹मुख्यमंत्री चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल प्रबंधन तथा अनुरक्षण योजना₹ की स्वीकृति हेतु बैठक आयोजित की गयी।

प्राचार्य, फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज, दुमका एवं अधीक्षक, फुलो-झानो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, दुमका द्वारा महाविद्यालय एवं अस्पताल के संचालन एवं रख-रखाव हेतु वल्लश्ठी ऋष्ठल्ली में प्राप्त राशि 5,00,00,000.00 (पाँच करोड़) रुपए के व्यय हेतु योजनाओं का विवरणी तैयार कर उपलब्ध कराया गया है। कुल-20 योजनाओं की कार्य सूची उपलब्ध करायी गयी है। बैठक में प्रमंडील आयुक्त श्री डाडेल के द्वारा कार्य विवरणी की समीक्षा की गयी एवं निदेश दिया गया कि योजनाओं की कार्यवार सूची तथा उससे संबंधित प्राक्कलित राशि/अनुमानित राशि की विवरणी कार्य योजना के रूप में तैयार कर उपायुक्त, दुमका के माध्यम से संचिका द्वारा अविलम्ब उपलब्ध कराया जाय ताकि नियमानुसार प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की जा सके।

अनुष्का कुमारी को उसी के बड़े चाचा ने अपने कमरे में ले जा कर गला काटा

साहिबगंज : बरहेट थाना क्षेत्र अंतर्गत पेटखासा निवासी जितेंद्र बागती के चार वर्षीय पुत्री अनुष्का कुमारी को उसी के बड़े चाचा शक्ति बागती ने अपने कमरे में ले जा कर गला काट दिया।इधर हो हल्ला होने पर अनुष्का की मां ने आनन-फानन में बरहेट स्वस्थ केंद्र इलाज के लिए ले गई।जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया।यहां ड्यूटी मेन तैनात डॉक्टर केशव कृष्णा ने प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया।वही घायल अनुष्का कुमारी के पिता जितेंद्र बागती ने बताया कि बड़ा भाई शक्ति बागती मानसिक रूप से बीमार है।जिस कारण इस तरह कि घटना घट गई।इधर पुलिस मामले की छानबीन कर रही हैं।

पेड़ काटने के दौरान हाई टेंशन तार की चपेट की आने से युवक की मौत

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के झण्डा मेला निवासी राजू मंडल मौत हाईटेंशन तार कि चपेट मे आने से हो गई।स्वजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे।जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।मृतक राजू मंडल के दामाद बैजनाथ मंडल ने बताया कि राजू मंडल मजदूरी का काम करता था।बुधवार कि सुबह बगल के रहने वाले प्रमोद यादव ने घर पर शीशम का पेड़ काटने के लिए बुलाया। शीशम का पेड़ के ऊपर से 33000 हाई टेंशन का तार गया हुआ था। पेड़ काटने के दौरान राजू हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया और वह निचे गिर गया। प्रमोद यादव ने इस घटना कि जानकारी राजू के स्वजनों कि दिया।स्वजन घटना स्थल पहुंच कर घायल राजू को

इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।इधर जिरवाबाड़ी पुलिस को सुचना मिलते ही सदर अस्पताल पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । बताया जा रहा है कि मृतक राजू के तीन पुत्री हैं सभी का शादी हो चुका है राजू मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। इधर मृतक राजू के स्वजनों ने मुआवजा की मांग किया है इधर प्रभारी थाना प्रभारी लव कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया गया हैं।मामला दर्ज कर छानबीन कि जा रही हैं।

लोगों को जल्द समस्याओं से निजात दिलाने का दिया आश्वासन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : नगर पंचायत के वार्ड संख्या 02 के प्रोफेसर कॉलोनी में हो रहे जल जमाव की समस्या के समाधान हेतु कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान और बरहरवा नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार अपने पूरे टीम के साथ प्रोफेसर कॉलोनी पहुंचकर स्थल का जायजा लिया। जूनियर इंजीनियर मोहित कुमार को निर्देश दिया कि सड़क एवं नाली का मापी करके सही तरीके से प्राक्कलन तैयार करे,जिससे भविष्य में सड़क के ऊपर जल जमा ना हो तथा जल जमाव की समस्या से वार्ड वासियों को निजात मिल सके।विद्यायक प्रतिनिधि बरकत

खान व बरहरवा नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी ने स्थानीय लोगों को जल्द समस्या से निजात दिलाने का आश्वाशन बीज दिया है।मौके पर सहकारिता विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष शहनवाज नासीर, प्रखण्ड महासचिव नितार सरकार,सिटी मैनेजर देव,जूनियर इंजीनियर मोहित कुमार,रवि उरांव,अंकित कुमार अंकित,टैक्स दरोगा मुकेश कुमार,महमूद आलम, रणजीत टुडु,अमीन मौजुद थे।

हाईटेंशन लाइन टावर काटने वाले पांच गिरफ्तार

लातेहार : हाईटेंशन लाइन टावर काटने वाले पांच अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस निरीक्षक रणधीर कुमार ने एक प्रेस बयान जारी कर इसकी जानकांरी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक लातेहार को गुप्त सूचना मिली कि मंगलवार की देर रात थाना क्षेत्र के एकमहुआ गांव के पास संगठित अपराधिक गिरोह द्वारा टावर की कटिंग कर टावर एंगल पीकअप वाहनों पर लोडकर को बेचने के लिए ले जाने वाले हैं। सूचना पर छापामारी दल का गठन कर छापामारी किया गया। इस छापामारी में टीम ने टावर का एंगल चोरी करने के उपयोग में लगे सामान एवं अपराधियों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों पर केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार अपराधियों के नाम राहुल ठाकुर, समीर खान, मंगलदेव उरांव, फुलदेव उरांव व संगु भुईयां है।

विधानसभा चुनाव में बेहतर काम करने वाले पुलिस कर्मियों को किया गया सम्मानित

पाकुड़ एसपी ने सभी का जताया आभार

मेट्रो रेज संवाददाता

पाकुड़ः पिछले माह हुए विधानसभा चुनाव में बेहतर कार्य करने वाले जिले के पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को एसपी ने अपने कार्यालय कक्ष में सम्मानित किया. एसपी ने पुलिस पदाधिकारियों व जवानों को प्रशस्ति पत्र दिया तथा भविष्य में भी इसी तरह कार्य करने की अपील की.

?एसपी प्रभात कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानसभा चुनाव में मतदान व मतगणना को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में जिले के कई पुलिस पदाधिकारियों व जवानों ने अहम भूमिका निभाई है. उन्होंने उन सभी पुलिस पदाधिकारियों व

जवानों को उनके बेहतर कार्य के लिए धन्यवाद दिया तथा भविष्य में भी इसी तरह कार्य कर विभाग के साथ-साथ अपनी छवि सुधारने की अपील की. एसपी ने बताया कि पुलिस पदाधिकारियों व जवानों का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें सम्मानित किया गया. सभी ने विधानसभा चुनाव के दौरान काफी अच्छा कार्य किया है.पुलिस कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एसपी ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दयानंद आजाद, विजय कुमार, मुख्यालय डीएसपी जितेंद्र कुमार, अजय आर्यन, पुलिस निरीक्षक अनूप रोशन भेंगरा, हरिदेव प्रसाद, थानाध्यक्ष रंजन कुमार, सन्नी सुप्रभात, विवेक कुमार, नवीन कुमार समेत कई थाना व ओपी के प्रभारी, पुलिस अवर निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, रीडर, सार्जेंट मेजर व अन्य जवानों को सम्मानित किया.

देवघर के सारठ में आधार कार्ड बनवाना हुआ मुश्किल

देवघरः झारखंड के सरकारी विभागों में काम करवाना लोगों के लिए मुश्किल होता जा रहा है. ये हम नहीं बल्कि देवघर के सारठ प्रखंड के बीआरसी केंद्र की तस्वीरें बयां कर रही हैं. दरअसल, सारठ के प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) में लोगों को अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है.

बीआरसी भवन में आधार अपडेट कराने आए लोगों ने बताया कि ऑपरेटर अपनी मनमानी करते हैं. आधार कार्ड बनाने के लिए ऑपरेटर द्वारा 400 से 500 रुपये लिए जाते हैं. वहीं, केंद्र भी समय पर नहीं खुलता है. ऑपरेटर लोगों को आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए कई दिनों तक इंतजार करवाते हैं. ऑपरेटरों की मनमानी से तंग आकर लोगों ने इसकी शिकायत सारठ के बीडीओ चंदन कुमार सिंह से की है.

लोगों की शिकायत के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन कुमार सिंह ने खुद बीआरसी केंद्र का निरीक्षण किया और लोगों की शिकायत को सही पाया. प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन कुमार सिंह ने बताया कि पूरे मामले पर प्रखंड शिक्षा प्रसार शिक्षा पदाधिकारी से जवाब मांगा गया था, लेकिन जवाब देने में उनकी लापरवाही सामने आई, जिसे लेकर जिले के उच्च अधिकारी से भी शिकायत की गई है.

आपको बता दें कि प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का आधार कार्ड बनाया और अपडेट किया जाता है. बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए सरकारी शिक्षकों को भी इसी केंद्र में विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है.

पाकुड़ के शिव शीतला मंदिर में चोरी मामले का खुलासा नहीं होने से लोगों में आक्रोश, लापरवाही के आरोप में जवान सस्पेंड

मेट्रो रेज संवाददाता

पाकुड़ः जिला मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध शिव शीतला मंदिर में हुई चोरी मामले का पाकुड़ पुलिस अब तक खुलासा नहीं कर सकी है. इसे लेकर मंदिर कमेटी सहित स्थानीय लोगों में आक्रोश है. पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ मंदिर कमेटी और हिन्दू संगठनों से जुड़े लोग गोलबंद हो रहे हैं और आंदोलन की रणनीति बनाने में जुट गए हैं.

इसे लेकर गुरुवार को शिव शीतला मंदिर कमेटी के दर्जनों सदस्यों ने पाकुड़ एसपी प्रभात कुमार से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा है. मंदिर कमेटी के सदस्यों ने जल्द चोर गिरोह में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करने और चोरी किए गए सामानों को बरामद करने की मांग की है.

हालांकि, पाकुड़ एसपी ने मंदिर कमेटी के सदस्यों से कहा कि मामले में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. कांड में

कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. उन्होंने कहा कि जल्द इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा. एसपी प्रभात कुमार ने मंदिर कमेटी के सदस्यों को पुलिस को सहयोग करने की भी अपील की है. एसपी ने बताया कि इस मामले में पुलिस की एक टीम काम कर रही है और हमलोग काफी करीब पहुंच गए हैं. उन्होंने कमेटी के सदस्यों को जल्द मामले का उद्भेदन करने का आश्वासन दिया है. एसपी ने कहा कि घटना के दिन टीओपी में तैनात पुलिस पदाधिकारी छुट्टी में थे और लापरवाही के आरोप में जवान को निलंबित कर दिया गया है.

पुलिस विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक चोरी की घटना के बाद मामले की जांच कर एसपी प्रभात कुमार को यह रिपोर्ट दी गई थी कि शिव शीतला मंदिर परिसर स्थित टाउन आउटपोस्ट में जवान सूर्यनारायण यादव की रात्रि ड्यूटी थी, लेकिन जवान ड्यूटी करने के बजाय सो रहे थे और चोरों ने मंदिर में चोरी की घटना को बेखौफ अंजाम दिया. रिपोर्ट मिलने के बाद एसपी ने लापरवाही के आरोप में जवान को निलंबित कर दिया है.

2024 में सबसे ज्यादा सर्च की गई स्त्री 2, गूगल ने जारी की लिस्ट

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की जोड़ी वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री 2 , वर्ष 2024 में गूगल पर सबसे अधिक सर्च की जानेवाली फिल्म बन गयी है। गूगल ने अपनी लिस्ट जारी की है जिसमें सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली फिल्म में स्त्री 2 ने बाजी मार ली है। इस फिल्म को लोगों ने गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया है। बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता के बाद, निमार्ता दिनेश विजान की फिल्म स्त्री 2 ने अपना सर्वोच्च स्थान बरकरार रखा है।फिल्म की अपार लोकप्रियता और भी पुख्ता हो गई है क्योंकि यह आईएमडीबी की 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय फिल्मों की सूची में दूसरे स्थान पर है। अमर कौशिक निर्देशित, फिल्म स्त्री 2 ने हास्य और हॉरर के अपने अनूठे मिश्रण के लिए प्रशंसा बटोरी है। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय किया है।

'मदार्नी' बनकर लौट रहीं रानी मुखर्जी, तीसरी किस्त का हुआ एलान

अभिनेत्री रानी मुखर्जी एक बार फिर मदार्नी बनकर बड़े परदे पर लौट रही हैं। खाकी वर्दी में एक बार फिर वह धाक जमाती नजर आएंगी। अभिनेत्री की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी 'मदार्नी' की तीसरी किस्त का आज एलान हो गया है। अभिराज मीनावाला के कंधों पर इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी है। यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा यानी रानी मुखर्जी के पति इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

खाकी वर्दी में जमाएंगी धाकः यश राज फिल्म्स के इंस्टाग्राम पेज से आज फिल्म का एलान करते हुए एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी हिंट दिया गया है। यह फिल्म साल 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनाउंसमेंट पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'इंतजार आखिर खत्म हुआ! रानी मखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में 'मदार्नी 3' में वापसी कर रही हैं'।'

विरासत को आगे ले जा रहीं आशा भोंसले की पोती जनाई भोंसले

महान पार्श्वगायिका आशा भोसले की पोती जनाई भोंसले मनोरंजन जगत में अपना अनूठा रास्ता बना रही हैं। बहुमुखी प्रतिभा की धनी जनाई एक अभिनेत्री, डांसर, गायिका, संगीतकार और गीतकार के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं, जो परंपरा को समकालीन शैलियों के साथ सहजता से मिलाती हैं। संगीत में डूबी हुई जनाई अपनी दादी आशा भोसले से बहुत प्रेरित थीं, जिनकी अद्वितीय बहुमुखी प्रतिभा और प्रतिभा ने संगीत उद्योग पर एक अमिट छाप छोड़ी है। आशा भोसले के मार्गदर्शन में जनाई ने प्रदर्शन कलाओं के लिए गहरा प्यार विकसित किया। अपनी दादी के साथ कालातीत क्लासिक्स गाने से लेकर मंच पर आकर्षक प्रदर्शन करने तक, जनाई ने अपने शिल्प के प्रति उल्लेखनीय समर्पण का प्रदर्शन किया है।

जनाई को जो बात सबसे अलग बनाती है, वह है पारंपरिक संगीत के भावपूर्ण सार को आधुनिक रुझानों की जीवंतता के साथ मिलाने की उनकी क्षमता, जिससे एक ऐसी ध्वनि बनती है जो पीढ़ियों तक गूंजती रहती है। अभिनय और नृत्य में उनके प्रयास उनकी रचनात्मकता और बहुमुखी प्रतिभा को और उजागर करते हैं, जिससे उन्हें विविध दर्शकों से प्रशंसा मिलती है। जनाई भोसले की यात्रा आशा भोसले और आर.डी.बर्मन की स्थायी विरासत का प्रमाण है। अपनी जड़ों से जुड़े रहकर और निडरता से नए कलात्मक क्षितिज की खोज करके, वह न केवल अपनी दादी की

प्रतिष्ठित विरासत का सम्मान करती है, बल्कि अपनी खुद की विरासत की नींव भी रखती है। प्रतिभा, जुनून और दूरदर्शिता के साथ, जनाई भोसले, बर्मन और मंगेशकर के नाम को एक उज्ज्वल और आशाजनक भविष्य की ओर ले जा रही है।

गुकेश शतरंज के नये वर्ल्ड चैंपियन, सबसे कम उम्र में जीता खिताब, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी

सिंगापुर : 18 साल के भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंगापुर में गुरुवार को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। उन्होंने चीन के डिफेंडिंग चैंपियन डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराया। ऐसा करने वाले वह दुनिया के सबसे युवा प्लेयर बने। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में खिताब जीता था। गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर टाइटल जीता। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए। स्कोर यहां 6.5-6.5 से बराबर था। गुकेश ने गुरुवार को 14वां गेम जीता और एक प्वाइंट की बढ़त लेकर स्कोर 7.5-6.5 कर दिया। रविवार तक 11 गेम के बाद गुकेश 6-5 से आगे थे। 11 में से 8 गेम ड्रॉ रहे थे, जबकि दो में गुकेश और एक में लिरेन को जीत मिली थी। लिरेन ने फिर वापसी की और 12वां गेम जीत लिया और स्कोर फिर बराबर कर दिया। बुधवार को 13वीं बाजी में 68 चाल के बाद गुकेश को गेम ड्रॉ खेलना पड़ा था। तब स्कोर 6.5-6.5 से बराबरी पर था। गुकेश ने तीसरा, 11वां और 14वां गेम जीता। वहीं, लिरेन ने पहला और 12वां गेम जीता। बाकी गेम ड्रॉ रहे। गुकेश को इनाम में 25 लाख डालर मिलेंगे।

चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में दी मात

138 साल के इतिहास में पहली बार दो एशियन प्लेयर्ज में भिड़ंत : इंटरनेशनल चेस फेडरेशन के 138 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ, जब एशिया के दो खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के लिए आमने-सामने थे। चैंपियन बनने वाले गुकेश को 20.86 करोड़ रुपए (2.5 मिलियन यूएस डालर) मिलेंगे।

विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय विजेता: गुकेश चेस के वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले भारत के दूसरे ही प्लेयर बने। 2012 में विश्वनाथन आनंद चेस चैंपियन बने थे। गुकेश ने 17 साल की उम्र में एफआईडीई कैंडिडेट्स चेस टूनार्मेंट भी जीता था। तब वह इस खिताब को जीतने वाले भी सबसे युवा प्लेयर बन गए थे।

कौन हैं डी गुकेश: गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में सात मई, 2006 को हुआ था। उन्होंने सात साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलोजिस्ट हैं।

चेस ओलंपियाड में भी दमदार प्रदर्शन: 10 से 23 सितंबर को इसी साल बुडापेस्ट में चेस ओलंपियाड का आयोजन हुआ था। भारत ओपन और वूमन्स दोनों कैटेगरी में चैंपियन बना था। ओपन कैटेगरी में गुकेश ने ही फाइनल गेम जीतकर भारत को जीत दिलाई थी।

शतरंज चैंपियन बनने पर गुकेश को बधाई: सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बनने पर भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बधाई दी। इसके लिए गुकेश को 25 लाख डॉलर की इनामी राशि का बड़ा हिस्सा मिलेगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि गुकेश ने भारत को बेहद गौरवान्वित किया है। मुर्मू ने एक्स पर लिखा, विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने पर गुकेश को हार्दिक बधाई। उनकी जीत ने शतरंज महाशक्ति के रूप में भारत की साख को मजबूत किया है। बहुत बढ़िया गुकेश! हर भारतीय की ओर से मैं आपके भविष्य में भी गौरवशाली बने रहने की कामना करती हूं।

लाखों युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए दी प्रेरणा: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुकेश की जीत ने न केवल उनका नाम शतरंज के इतिहास में दर्ज कर दिया है, बल्कि लाखों युवाओं को बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा। मोदी ने एक्स पर लिखा, ऐतिहासिक और अनुकरणीय! यह उनकी अद्वितीय प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय का परिणाम है। उन्होंने कहा, उनकी जीत ने न केवल शतरंज के इतिहास में उनका नाम दर्ज किया है, बल्कि लाखों युवाओं को बड़े सपने देखने और उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करेगा। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

रूपाली गांगुली की सौतेली बेटी ईशा वर्मा ने अपने झगड़े पर तोड़ी चुप्पी, कहा जो नुकसान हुआ है, उसे कभी मिटाया नहीं जा सकता'

अनुपमा की अभिनेत्री रूपाली गांगुली, जो राजन शाही के लोकप्रिय शो में अनु की भूमिका निभाती हैं, अपनी सौतेली बेटी ईशा वर्मा द्वारा उन पर विषाक्त होने का आरोप लगाने के बाद चर्चा में हैं। हाल ही में, ईशा वर्मा ने विवाद पर अभिनेत्री की हालिया टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर बात की और बताया कि कैसे प्रसिद्धि और धन वाले प्रभावशाली लोग सच्चाई को छिपाते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ये बुरे उदाहरण जोड़ते हैं।

ईशा वर्मा ने रूपाली गांगुली की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी

ईशा वर्मा ने रूपाली गांगुली की वकील सना रईस खान द्वारा उन्हें मानहानि का नोटिस भेजे जाने के बाद अपनी पहली पोस्ट की। उन्होंने लिखा, 'प्रसिद्धि, पैसा और शक्ति, कुछ समय के लिए सच्चाई को छिपा सकते हैं, लेकिन वे कभी भी नुकसान को मिटा नहीं सकते'। ईशा ने लिखा कि चरित्र इस बारे में नहीं है कि कोई क्या कहता है, बल्कि यह है कि कोई क्या करता है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे कार्य चरित्र को परिभाषित करते हैं और सच्ची ईमानदारी जवाबदेही और बदलाव से आती है। उन्होंने बताया कि कैसे कर्म और ब्रह्मांड संतुलन बनाते हैं।

ईशा ने एक और पोस्ट शेयर की जिसमें उन्होंने परोक्ष रूप से अनुपमा स्टार रूपाली गांगुली को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, 'हम क्या उदाहरण पेश कर रहे हैं... खास तौर पर प्रभावशाली स्थिति में मौजूद वयस्क- बच्चों और आने वाली पीढ़ियों के लिए जब स्वार्थी काम निजी लाभ के लिए दूसरों को नुकसान पहुंचाते हैं?' उन्होंने यह भी लिखा कि जो लोग अपनी पहचान की रक्षा करते हैं, वे जवाबदेही नहीं लेंगे। अपनी अगली पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हां, यह हालिया टिप्पणियों का जवाब है।' हाल ही में एक कार्यक्रम में रूपाली से पूछा गया कि क्या वह अपने इर्द-गिर्द चल रहे विवाद से प्रभावित हैं। अभिनेत्री ने कहा कि यह उन्हें प्रभावित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग उनसे प्यार करते हैं, वे उनसे प्यार करते रहेंगे और कभी-कभी लोग बुरे दौर से गुजरते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सच्चाई हमेशा सामने आती है। ईशा अश्विन वर्मा और उनकी पूर्व पत्नी सपना वर्मा की बेटी हैं, जिनकी शादी 1997 में हुई थी। 2008 में दोनों अलग हो गए। बाद में अश्विन को रूपाली से प्यार हो गया और उन्होंने 2013 में शादी कर ली। वे बेटे रुद्रांश के माता-पिता हैं।

गाबा में टॉस जीते, तो चुनें बैटिंग मैथ्यू हेडन की रोहित सेना को सलाह

ब्रिस्बेन : भारतीय टीम ने पिछली बार जब ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, तो उसने गाबा में कंगारुओं को धूल चटाते हुए सीरीज अपने नाम की थी। फिलहाल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 1-1 से बराबरी पर है और गाबा में तीसरा टेस्ट खेला जाना है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने भारतीय गेंदबाजों को सलाह दी है कि वे शनिवार से यहां शुरू हो रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट में चौथी और पांचवीं स्टंप लाइन को लक्ष्य बनाएं और गाबा की पिच से मिलने वाले उछाल का फायदा उठाएं। हेडन ने गाबा में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को आउट करने के तरीके पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, भारत को जब भी गेंदबाजी करने का मौका मिलता है तो उन्हें चौथी और पांचवीं स्टंप लाइन पर थोड़ा और अधिक भरोसा करना चाहिए। उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संभलकर खेलने को कहा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां होने पर भी भारत को पहले बल्लेबाजी करनी चाहिए।

गाबा में बारिश बढ़ाएगी भारत की टेंशन, मैच ड्रॉ हुआ, तो डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए जीतने होंगे बचे सभी मुकाबले

एजेंसी

ब्रिस्बेन : वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप-2023-25 में भारत की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। दरअसल, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 14 दिसंबर से होने जा रहे गाबा टेस्ट के पांचों दिन ब्रिस्बेन में बारिश के आसार हैं। अगर गाबा टेस्ट के दौरान बारिश होती है और मैच ड्रॉ हो जाता है, तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की रेस में भारत की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी, क्योंकि यहां से फाइनल पहुंचने के लिए टीम इंडिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष सभी मुकाबले जीतना जरूरी हो जाएगा। बता दें कि ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर को सबसे ज्यादा 88

फीसदी बारिश होने के चांस हैं। मैच के दूसरे दिन 49 फीसदी और चौथे दिन 42 फीसदी बारिश के आसार हैं। तीसरे और पांचवें दिन भी 25-25 फीसदी बारिश के अनुमान हैं।

टेस्ट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाएगा। मुकाबले से दो दिन पहले ही गाबा टेस्ट गूगल ट्रेंड पर आ गया है। डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में भारत तीसरे स्थान पर है। साउथ अफ्रीका पहले और ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। यहां से साउथ अफ्रीका के फाइनल में पहुंचने के सबसे ज्यादा चांस हैं। यदि गाबा टेस्ट ड्रॉ होता है, तो टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के साथ प्वाइंट्स बांटने पड़ेंगे। इतना ही नहीं, प्वाइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति के अनुसार, भारत को अपने दम पर डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अगले दोनों मैच जीतने होंगे। हारने या ड्रॉ की स्थिति में भारत को ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका सीरीज के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

दिल्ली-एनसीआर में ठिठुरन वाली सर्दी का कहर

पारा गिरकर 3.2 डिग्री तक पहुंचा कोहरे-शीतलहर का अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली : पहाड़ों में बर्फबारी होने से वहां से आने वाली हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा दी है। इससे दिल्ली में ठिठुरने बढ़ गई है। रात के समय ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेने लगे हैं। बृहस्पतिवार को कई इलाकों में शीत लहर का दौर चला। दिल्ली के पूसा इलाके में सुबह सबसे ठंडी रही। यहां का न्यूनतम तापमान सबसे कम 3.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, आया नगर में 3.8, लोधी रोड में 4.4, नरेला में 4.7, पालम में 6 और रिज में 6.4 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। वहीं, गौतमबुद्धनगर में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री दर्ज किया गया। उधर, गुरुग्राम में 4.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। आने वाले दिनों में पारा और गिरने का अनुमान है। ऐसे में शुक्रवार और

शनिवार को मध्य से लेकर घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। वहीं, शीत लहर की भी दो दिन के लिए चेतावनी जारी की है। इस दौरान अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

यह होती है शीत लहर

मैदानी क्षेत्रों में जब न्यूनतम तापमान 10 डिग्री व इससे नीचे होने के साथ सामान्य से 4.5-6.4 डिग्री सेल्सियस कम होता है तो शीत लहर होती है। वहीं, सामान्य से 6.5 या इससे कम होने पर गंभीर स्तर की ठंड रहती है। अगर तापमान 4 डिग्री सेल्सियस या इससे नीचे चला जाता है तो इसे भी शीत लहर माना जाता है। वहीं, 2 डिग्री सेल्सियस पर गंभीर स्तर की शीत लहर होती है। पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस या इससे नीचे जाने पर शीत लहर होती है।

यूपी: प्रदेश के 50 जिलों में शीतलहर का अलर्ट, मौसम विभाग ने जारी की पाला गिरने की भी चेतावनी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में सर्द हवाओं संग ठंड की शुरूआत हो चुकी हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार को प्रदेश के लगभग 20 से ज्यादा जिलों में पाला पड़ने और अत्यधिक ठंड की चेतावनी जारी किया है। वहीं 50 जिलों में शीतलहर की चेतावनी है। बृहस्पतिवार को अयोध्या, बरेली, झांसी, गोरखपुर, बलिया और बहराइच आदि जिले सर्द हवाओं संग शीतलहर की चपेट में रहे। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं के असर से शीतलहर के अगले तीन से चार दिन तक चलने और पारे में अभी और गिरावट के आसार हैं।

इन इलाकों में है पाला पड़ने की संभावना

देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर बस्ती कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, अमेठी, सुल्तानपुर अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत व आसपास के इलाकों में।

शीत लहर की चेतावनी

आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

अयोध्या में रहा न्यूनतम तापमान

वृहस्पतिवार को उरई में सर्वाधिक 29 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। वहीं वाराणसी में अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री और प्रयागराज में 26.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें अयोध्या में सबसे कम 3 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। बरेली में 5.2 डिग्री और इटावा में 5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा।

अमेरिका ने नहीं दी खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू की जानकारी

भारत ने मांगा था फोन नंबर-बैंक अकाउंट डिटेल

एजेंसी/ नई दिल्ली : अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के बैंक खाते और फोन नंबर की जानकारी देने से इनकार कर दिया है। पन्नू प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) का संस्थापक है।

अमेरिका पुलिस ने दिया कानून का हवाला

यह मामला 2020 में मोगा, पंजाब में जिला प्रशासनिक परिसर पर खालिस्तान का झंडा फहराने से जुड़ा है। भारतीय जांच एजेंसी (एनआरए) ने अमेरिका से पन्नू के बैंक खाते और फोन नंबर की जानकारी मांगी थी। अमेरिका ने अपने कानून का हवाला देते हुए यह जानकारी देने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि इस कथित अपराध की सजा उनके देश में एक साल से कम है। इसलिए वे ऐसी जानकारी नहीं दे सकते। पन्नू पर भारत में आतंकवाद के आरोप हैं। उसके पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। भारत के गृह मंत्रालय ने उसे गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत आतंकवादी घोषित किया है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। बता दें कि 14 अगस्त, 2020 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर दो लोगों ने सुरक्षा घेरा तोडकर मोगा के जिला प्रशासनिक परिसर (उपायुक्त कार्यालय भवन) में प्रवेश किया था। उन्होंने छत पर खालिस्तान का झंडा फहराया और तिरंगे का अपमान किया था। तत्कालीन मोगा एसएसपी हरमनबीर सिंह गिल ने कहा था कि दोनों लोगों की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गईं थीं। उन्होंने कहा था कि वे शायद पन्नू की घोषणा के जाल में फंस गए थे। पन्नू ने पंजाब और हरियाणा में स्वतंत्रता दिवस से पहले इमारतों पर भारतीय झंडे की जगह खालिस्तान का झंडा फहराने वाले को 2,500 डॉलर देने की घोषणा की थी।

संसद हमले के 23 साल पूरे, पीएम ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली: संसद पर हुए आतंकवादी हमले के 23 वर्ष आज पूरे हो चुके है। वर्ष 2001 में हुए इस हमले में कई जवान शहीद हुए थे। संसद की सुरक्षा में लगे जवानों ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए आतंकवादियों से लोहा लिया था। आतंकवादियों को रोकने में दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और संसद के वॉच एंड वार्ड स्टाफ के नौ सदस्य शहीद हुए थे। संसद की रक्षा करने में शहीद हुए जवानों को याद करते हुए हर वर्ष उन्हें 13 दिसंबर को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इस मौके पर शुक्रवार को भी संसद भवन में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 2001 में संसद हमले में अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका बलिदान राष्ट्र को हमेशा प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, ₹2001 के संसद हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि। उनका बलिदान हमारे देश को हमेशा प्रेरित करेगा। हम उनके साहस और समर्पण के लिए हमेशा आभारी रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। उन्होंने कहा, कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से अमर शहीदों को सादर श्रद्धांजलि। आज हमने संसद भवन पर हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए मां भारती के वीर जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। आतंकवाद के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने संसद हमले के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को सलाम किया। आप प्रमुख ने एक्स पर लिखा, आज का दिन हमें उन वीर जवानों की याद दिलाता है, जिन्होंने संसद भवन पर हुए आतंकवादी हमले के दौरान देश और हमारे लोकतंत्र के मंदिर की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उन सभी वीर जवानों की अमर शहादत को कोटि-कोटि नमन।
श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी को 13 दिसंबर, 2001 को भारतीय संसद पर हुए भीषण आतंकवादी हमले की याद दिलाई गई। स्मरण रहे कि 13 दिसंबर, 2001 को ही दिल्ली पुलिस में सहायक उपनिरीक्षक जगदीश, मातबर, कमलेश कुमारी, नानक चंद और रामपाल, दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश, बिजेन्द्र सिंह और घनश्याम तथा सीपीडब्ल्यूडी में माली देशराज ने आतंकवादी हमले के दौरान संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। अपराधी लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से संबंधित थे - दो पाकिस्तान-प्रवर्तित आतंकवादी संगठन - जिन्होंने 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप पांच दिल्ली पुलिस कर्मियों, दो संसद सुरक्षा सेवा कर्मियों, एक सीआरपीएफ कांस्टेबल और एक माली की मौत हो गई और भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया, जिसके परिणामस्वरूप 2001-2002 में भारत-पाकिस्तान गतिरोध हुआ।

डोनाल्ड ट्रंप ताजपोशी के पहले फिर टाइम पर्सन ऑफ द ईयर

एजेंसी/ वाशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार न्यूज मैगजीन टाइम के पर्सन ऑफ द ईयर चुने गए हैं। खुद ट्रंप ने एक बार

सार्वजनिक रूप से कहा था कि टाइम अब उन्हें कभी भी पर्सन ऑफ द ईयर नहीं चुनेगा, लेकिन दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव जीतते ही टाइम को उनके अद्वितीय कमबैक के लिए पर्सन ऑफ द ईयर चुनना पड़ा है। वह दुनिया के चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जिन्हें टाइम ने दो बार पर्सन ऑफ द ईयर चुना है। इसे ट्रंप के लिए राष्ट्रपति पद ग्रहण करने से पहले एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। टाइम का पर्सन ऑफ द ईयर चुने जाने और मैगजीन के कवर के अनावरण का जश्न मनाने के लिए ट्रंप न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में ओपनिंग बेल बजाएंगे। ट्रंप ने पिछले महीने ही टाइम को इंटरव्यू दिया था। ट्रंप का 2024 में चयन 2016 में उनकी पहली बार पर्सन ऑफ द ईयर चुने जाने की घटना को दशार्ता है, जब टाइम ने उन्हें चुनाव में उनके अप्रत्याशित जीत के बाद पर्सन ऑफ द ईयर नामित किया था। इस बार ट्रंप ने अमरीकी राजनीति को उलट-पलट कर जोरदार वापसी की है, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। उन्होंने तमाम मुश्किलों, कानूनी अड़चनों और विरोधिधों के सामूहिक प्रयास के बावजूद जीत दर्ज की है।

अतुल सुभाष सुसाइड केस के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

उत्पीड़न को ही आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं मान सकते

एजेंसी

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी को आत्महत्या के लिए उकसाने के अपराध में दोषी ठहराने के लिए केवल उत्पीड़न पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उकसाने के स्पष्ट सबूत होने चाहिए। अतुल सुभाष सुसाइड केस के बीच सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम मानी जा रही है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने यह टिप्पणी गुजरात हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर अपना फैसला सुनाते

- बिना पुख्ता सबूत के किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

हुए की, जिसमें एक महिला को कथित रूप से परेशान करने और उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने के लिए उसके पति और उसके दो ससुराल वालों को आरोपमुक्त करने से इनकार कर दिया गया था।

अतुल सुभाष की आत्महत्या के मामले के मद्देनजर, इस फैसले में की गई न्यायालय की टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि धारा 306 के तहत दोषसिद्धि के लिए यह एक सुस्थापित कानूनी सिद्धांत है कि कार्य को उकसाने का इरादा स्पष्ट होना चाहिए। केवल उत्पीड़न किसी आरोपी को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त नहीं है। साथ ही पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष को अभियुक्त द्वारा की गई सक्रिय या प्रत्यक्ष कार्रवाई के बारे में बताना चाहिए जिसके कारण एक व्यक्ति ने अपनी जान ले ली। पीठ ने कहा कि कार्य को उकसाने के इरादे का केवल अनुमान नहीं लगाया जा सकता और यह साफ तौर पर तथा स्पष्ट रूप से पहचाने जाने योग्य होना चाहिए। पीठ ने कहा कि इसके बिना, कानून के तहत उकसावे को स्थापित करने की मूलभूत आवश्यकता पूरी नहीं होती है, जो आत्महत्या के कृत्य को भडकाने या इसमें योगदान देने के लिए जानबूझकर और स्पष्ट इरादे की आवश्यकता को रेखांकित करता है। पीठ ने धारा 306 के तहत लगाए गए आरोप से तीन लोगों को मुक्त कर दिया।

बांके बिहारी मंदिर में आस्था का जनसैलाब, भीड़ में फंस कर दो महिला श्रद्धालु बेहोश, मची अफरा-तफरी

एजेंसी

मथुरा : ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के दौरान बृहस्पतिवार को आगरा की महिला सहित दो महिला श्रद्धालु बेहोश हो गईं। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने मंदिर में तैनात स्वास्थ्य टीम से महिला को उपचार दिलाया। इससे महिला की हालत सामान्य हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि उपचार मिलने के बाद महिला सही हो गई। वह डायबिटीज की रोगी होने के साथ ही मंदिर में खाली पेट आईं थीं। मार्गशीर्ष की द्वादशी को आगरा के अकबराबाद निवासी 35 वर्षीय श्रद्धालु महिला शमी आराध्य बांकेबिहारी के दर्शन कर गेट चार से बाहर जा रही थी। इसी बीच तभी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच उन्हें चक्कर आ गया। और वह जमीन पर गिर गईं। महिला श्रद्धालु के जमीन पर गिरते ही आसपास मौजूद श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई। बांकेबिहारी पुलिस चौकी प्रभारी शिवकुमार व पुलिसकर्मी महिला को भीड़ से निकालते हुए मंदिर के गेट पांच पर तैनात स्वास्थ्य टीम पास लेकर पहुंचे।

यहां तैनात डॉक्टर धारा ने महिला का उपचार किया। वहीं शाम साढे. सात बजे बांकेबिहारी मंदिर के गेट एक के समीप पीलीभीत निवासी 34 वर्षीय प्रियंका पत्नी कन्हैया भारद्वाज की तबीयत बिगड़ गई। मंदिर के वहां तैनात पुलिसकर्मी महिला को मंदिर में तैनात डॉक्टर के पास ले गए। श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच ब्लड प्रेशर बढ़ जाने से तबीयत खराब हो गई। डॉक्टर के प्राथमिक उपचार के बाद महिला की सुधार आया।

थोड़ा इंतजार और ,नौसेना को जल्द मिलेगी हंटर-किलर सबमरीन

एजेंसी, नई दिल्ली : भारतीय नौसेना के लिए तैयार की गई हंटर-किलर पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर जनवरी, 2025 में नौसेना में शामिल हो सकती है। इस पनडुब्बी के शामिल होने के बाद भारतीय समुद्री क्षेत्र में भारत की ताकत बढ़ जाएगी और समंदर में चीन की हेकड़ी भी कम होगी। पिछले साल 18 मई से चल रहे इसके समुद्री परीक्षण पूरे होने वाले हैं। कलवारी क्लास की यह पनडुब्बी प्रोजेक्ट 75 के तहत बनाई गई है। यह इस क्लास की छठी सबमरीन है। पनडुब्बी को 20 अप्रैल, 2022 को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के कान्होजी आंग्रे वेट बेसिन से समुद्र में उतारा गया था। आईएनएस वागशीर एक डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन है। बेहद आधुनिक नेविगेशन और ट्रैकिंग सिस्टम्स से लैस है। इसके साथ ही इसमें कई तरह के हथियारों को भी शामिल किया गया है। प्रोजेक्ट-75 के तहत अभी तक पांच आधुनिक पनडुब्बी भारत की रक्षा में तैनात हैं। इस पनडुब्बी के शामिल होने के बाद भारतीय समुद्री क्षेत्र में भारत की ताकत बढ़ जाएगी। वाघशीर कई मिशन कर सकती है। जैसे सतह-विरोधी युद्ध, पनडुब्बी रोधी युद्ध, खुफिया जानकारी जमा करना, समुद्री बारूदी सुरंग बिछाना, क्षेत्र की निगरानी आदि। पनडुब्बी को ऑपरेशन के समय हर परिस्थिति में संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है। पनडुब्बी की लंबाई लगभग 221 फुट, बीम 20 फुट और ऊंचाई 40 फुट है। इनमें चार एमटीयू 12वी 396 एसई84 डीजल इंजन लगे हैं। इसके अलावा 360 बैटरी सेल्स होती हैं। सतह पर इसकी गति 20 किमी/प्रतिघंटा है। पानी के अंदर ये 37 किमी/प्रतिघंटा की अधिकतम

- समंदर में कम होगी चीन की हेकड़ी
- समुद्री परीक्षण अंतिम चरण में
- जनवरी में शामिल हो सकती है पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर

स्पीड से चलेगी। इसकी रेंज गति के मुताबिक तय होती है। अगर सतह पर 15 किमी/प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही है, तो यह 12,000 किमी तक जा सकती है। पानी के अंदर यह 1020 किमी की रेंज तक जा सकती है, लेकिन गति 7.4 किमी प्रतिघंटा होनी चाहिए।

30 समुद्री सुरंगें बिछाने में उस्तादः यह पनडुब्बी 50 दिनों तक पानी के अंदर बिता सकती है। अधिकतम 350 फुट की गहराई जा सकती है। इसमें आठ सैन्य अधिकारी और 35 सेलर तैनात किए जा सकते हैं। इनके अंदर एंटी-टॉरपीड काउंटरमेजर सिस्टम लगा है। इसके अलावा 533 मिमी के 6 टॉरपीडो ट्यूब्स होते हैं, जिनसे 18 एसयूटी टॉरपीडोस या एसएम.39 एक्सोसेट एंटी-शिप मिसाइल लॉन्च की जा सकती हैं। इसके अलावा यह पानी के अंदर 30 समुद्री बारूदी सुरंग बिछा सकती है। आईएनएस वाघशीर के शामिल होने के बाद कलवारी क्लास की छह अटैक सबमरीन हो जाएंगी। इस क्लास में आईएनएस कलवारी, आईएनएस खंडेरी, आईएनएस करंज, आईएनएस वेला और आईएनएस वागीर लॉन्च की जा चुकी हैं।

शेयर बाजार ने लगाया गोता, सेंसेक्स 1000 अंक गिरा, निफ्टी भी फिसला

एजेंसी

मुंबई : धातु शेयरों, विदेशी फंडों की निकासी और कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांकों में बड़ी गिरावट दिखी। शुरूआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1100 अंकों तक फिसला। वहीं दूसरी ओर, एनएसई निफ्टी 24250 से नीचे आ गया। सुबह 10 बजकर 58 मिनट पर सेंसेक्स 984.26 (1.21%) अंक गिरकर 80,352.14 पर पहुंच गया। निफ्टी 301.00 (1.23%) अंक टूटकर 24,247.70 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स की 30 शेयरों वाली प्रमुख कंपनियों में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टूब्रो, भारतीय स्टेट बैंक तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। भारती

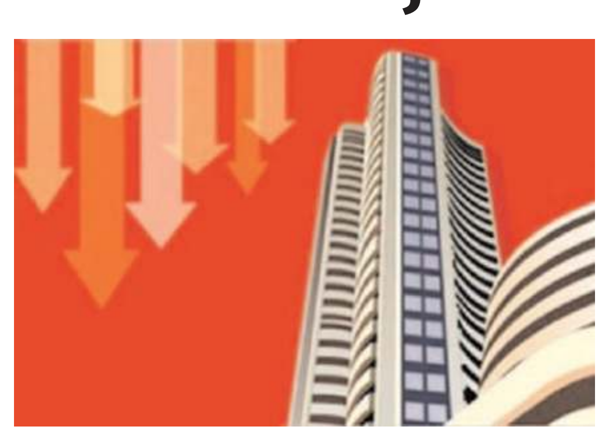

एयरटेल, नेस्ले, अदाणी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर को लाभ हुआ।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,560.01 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.48 प्रतिशत पर आ गई और यह मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में कमी के कारण रिजर्व बैंक के आरामदायक स्तर पर आ गई, जिससे फरवरी में नए गवर्नर संजय मल्होत्रा के नेतृत्व में केंद्रीय बैंक की दर निर्धारण समिति की बैठक में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश बनी।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित हेडलाइन मुद्रास्फीति अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत और नवंबर 2023 में 5.55 प्रतिशत थी। गुरुवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत के औद्योगिक उत्पादन (आईआईसी) की वृद्धि दर अक्तूबर 2024 में सालाना आधार पर धीमी होकर 3.5 प्रतिशत रह गई, जिसका मुख्य कारण खनन, बिजली और विनिर्माण का खराब प्रदर्शन है।

जानकारों के अनुसार, ₹निकट भविष्य में बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। उतार-चढ़ाव की वजह एफआईआई द्वारा फिर से बिकवाली है, जिन्होंने कल 3,560 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भारत में ऊंचे मूल्यांकन को देखते हुए, एफआईआई द्वारा बाजार में हर तेजी के साथ और अधिक बिकवाली किए जाने की संभावना है।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, ₹बाजार को समर्थन देने वाली चीज मुद्रास्फीति में गिरावट है। एशियाई बाजारों में, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सियोल में तेजी दर्ज की गई।

वॉल स्ट्रीट गुरुवार को नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, फेडरल रिजर्व द्वारा 18 दिसंबर को ब्याज दर पर लिए जाने वाले निर्णय से बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। एफआईआई ने भारी बिकवाली की, जिससे बाजार की धारणा और खराब हो गई।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत गिरकर 73.38 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 236.18 अंक या 0.29 प्रतिशत गिरकर 81,289.96 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 93.10 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 24,548.70 अंक पर बंद हुआ था।

उपायुक्त पुलिस अधीक्षक के साथ पहुंचे नक्सल प्रभावित क्षेत्र, लोगों की ली सूधि

बिनय मिश्रा

पश्चिम सिंहभूम जिला के अति सुदूर व नक्सली प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाला होरो, लढ़ाई व सेरेंगदा में उपायुक्त कुलदीप चैधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, डीडीसी संदीप मीणा, अनुमण्डल पदाधिकारी सुश्री राजलक्ष्मी के अलावे अन्य पदाधिकारीगण भी शामिल थें। इस क्रम में जिला प्रशासन के द्वारा स्थानीय युवाओं को खेल के प्रति जागरूकता और उत्साह को प्रोत्साहित करने के लिए फुटबॉल खेल का भी आयोजन किया गया। इस खेल में सफल रहने वाली टीम के बीच पन्द्रह हजार रूपया नगद पुरस्कार राशि भी वितरित की गयी। इस अवसर पर उपायुक्त कुलदीप चैधरी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार विकास कार्यों को सुदूर क्षेत्र में पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है और इसका दायित्व जिला प्रशासन भली भांति कर रहा है। जिला प्रशासन के द्वारा सुदूर क्षेत्र और ग्रामीणों की समस्याओं को जानने सुनने का भी कार्य निरंतर जारी है। लोग अपनी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष बेहिचक रख सकते हैं और जिला प्रशासन उसपर यथोचित तत्क्षण कार्यवाही भी करेगा। आज जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों के क्षेत्र में पहुंचने पर ग्रामीणों में काफी प्रसन्नता और उत्साह भी देखी गयी। विदित हो कि जिला के पुलिस कप्तान आशुतोष शेखर भी ग्रामीण व सुदूर क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन और आम लोगों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने में सफल रहें।

न्यूज ब्रीफ

पूर्व विधायक ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

बोकारो : प्रदेश में मरीज, चिकित्सक, चिकित्सा कर्मी, अस्पताल एवं आम जनों के हितों को ध्यान में रखते हुए एक बेहतर मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट बनाने की मांग एवं मुख्यमंत्री असाध्य रोग योजना कि राशि को यथाशीघ्र जिला में भेजने हेतु झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी से मिलकर बोकारो के पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने मिलकर ज्ञापन सौंपा।

नाबालिग को भगा ले जाने का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया

चान्हो। पुलिस ने गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए नाबालिग लड़की को भगा ले जाने के आरोपी विक्रम महली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी विक्रम महली साहेबगंज जिले के बड़ा मदनशाही गांव का निवासी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चान्हो थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के गायब होने की घटना को लेकर परिजनों ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके साथ लापता नाबालिग लड़की को भी सकुशल बरामद कर लिया। विक्रम महली के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और नाबालिग को परामर्श के बाद परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।

खंडामौदा के शिक्षक प्रणव बेरा का आकस्मिक निधन

जमशेदपुर : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के खंडामौदा गांव निवासी शिक्षक प्रणव बेरा (उम्र 59) की बुधवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने से मृत्यु हो गई। उनके निधन के सूचना से गांव तथा खंडामौदा पीएमश्री हाई स्कूल में मातम छा गया है। स्कूल में गुरुवार को शोकसभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। परिजनों ने बताया कि पिछले दो वर्षों से उनके स्वास्थ्य में गड़बड़ी चल रही थी। बीच-बीच में वह स्वास्थ्य जांच के लिए भुवनेश्वर स्थित अपोलो अस्पताल जाते थे। 14 दिसंबर को फिर से स्वास्थ्य जांच कराने के लिए अपोलो अस्पताल जाने वाले थे। बुधवार की रात को खाना खा कर घर में सोये हुए थे। उसी दरम्यान अचानक से तबीयत खराब होने के कारण तत्काल परिवार के लोग आनन फानन में उन?हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा उपचार के लाये। जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक चिकित्सा के दौरान जांच कर मृत घोषित कर दिया। संदेहास्पद मौत होने के कारण बड़शोल पुलिस को सूचना दी गई। जिस पर कार्रवाई करते हुए बडशोल पुलिस ने कागजी प्रक्रिया के बाद गुरुवार को शव को अंत?य परीक्षण के लिए भेज दिया। दिवंगत शिक्षक प्रणव बेरा अपने पीछे पत्नी, 17 वर्षीय बेटी बर्षा बेरा, दो बड़े भाई समेत भरापूरा परिवार को छोड़कर गए हैं। प्रणव बेरा पिछले 19 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में सेवा दे रहे थे। वह पिछले 7 वर्षों से खंडामौदा पीएमश्री हाई स्कूल में पदस्थापित थे। स्कूल के प्रधानाध्यापक कमल पड़िहारि ने बताया कि शिक्षक प्रणव बेरा शांत स्वभाव के मिलनसार व्यक्ति थे। और वे स्कूल के सभी कार्य को निष्ठा पूर्वक कार्य करते थे। उनके इस प्रकार से चले जाना शिक्षा जगत में अपूर्णीय क्षति है।

एनएचएआई अधिकारियों ने गोविंदपुर में रोड चौड़ीकरण का किया निरीक्षण

धनबाद : भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने गुरुवार को गोविंदपुर में एनएच-2 (जीटी रोड) के चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। काम में लगी निजी एजेंसी स्काईलार्क के डीपीएम को गोविंदपुर बाजार इलाके में जीटी रोड का चौड़ीकरण 20 दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही अंचलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे से मुलाकात कर बाकी बचे स्थानों पर भी रोड किनारे से अतिक्रमण हटाने की अपील की। कहा कि गोविंदपुर बाजार में अभी भी जीटी रोड की जमीन पर कुछ लोग ठेला-खोमचा लगाकर व्यवसाय कर रहे हैं। कुछ दबंग लोग जीटी रोड की जमीन पर दुकान लगाने वालों से वसूली भी कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। एनएचएआई अधिकारियों ने सीओ से कहा कि माडा मैदान के बाहर अब भी दुकानें लग रही हैं, जबकि सभी दुकानदारों को गुरुवार शाम तक माडा मैदान में अपनी दुकान शिफ्ट करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि सभी दुकानें माडा मैदान में शिफ्ट नहीं होने से रोड चौड़ीकरण का काम बाधित है। सीओ ने काम जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिया।

डीपीएस बोकारो के छह विद्यार्थियों ने क्लैट-यूजी में मारी बाजी

बोकारो : देश के विधि विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) झ्र 2025 में डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता पाई है। 12वीं की छात्रा आद्या मिश्रा समेत छह छात्र-छात्राओं ने क्लैट के अंडर ग्रेजुएट (यूजी) प्रोग्राम में नामांकन के लिए हुई परीक्षा में बाजी मारी है। आद्या ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 390 पाकर विद्यालय में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया है। उसे 90.50 अंक प्राप्त हुए हैं। दूसरे स्थान पर रहे छात्र प्रांजल को 978वीं रैंक मिली है। इसके अलावा विद्यालय की छात्रा अतुल्य त्रिश्री ने एआईआर 2551, अरफा ने ओबीसी रैंक 1509 (एआईआर 7700), त्रिशा ने ओबीसी रैंक 1987 (एआईआर 12709) तथा आयुष कुमार ने एआईआर 4350 के साथ सफलता हासिल की है। प्राचार्य डॉ। एएस गंगवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। क्लैट-यूजी 2025 में एआईआर 390 पाने वाली छात्रा आद्या मिश्रा की दिली ख्वाहिश आगे चलकर न्यायाधीश (जज) बनने की है। उसने 10वीं के बाद अपने परिजनों की प्रेरणा से विधि-क्षेत्र में आने की ठानी और अब क्लैट में सफलता के साथ इस दिशा में कदम आगे बढ़ा दिए हैं। आद्या ने कहा कि देश में अनगिनत लोग सही समय पर सही न्याय मिलने से वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों को सच्चा न्याय दिलाना उसका सपना है।

तोपचांची में लकड़बग्घे का आतंक, 4 लोगों को किया घायल

धनबाद : तोपचांची थाना क्षेत्र के मतारी रेलवे स्टेशन के समीप आदिवासी बहुल गांव पाकेर बेड़ा में पिछले दो दिनों से लकड़बग्घे के आतंक से ग्रामीण परेशान हैं। लकड़बग्घा ने हमला कर गांव के चार लोगों को घायल कर दिया है। इधर, सूचना देने के बाद भी वन विभाग के अधिकारी मौन साधे हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि लकड़बग्घा पिछले कई दिनों से जंगल से निकलकर पॉकेट बेड़ा बस्ती के घरों में घुसकर लोगों को निशाना बना रहा है। चार से अधिक लोगों को काटकर घायल कर चुका है। घायलों में श्रवण कुमार हांसदा, संतोष कुमार हांसदा, सोमारी कुमारी व राजकुमारी शामिल हैं। सभी घायल इलाजरत हैं। पंचायत समिति के सदस्य बाल किशुन रजवार ने बताया कि लकड़बग्घा शाम के समय घरों में घुसकर हमला बोल दे रहा है।

मधुसूदन पब्लिक स्कूल अपने दायित्व और बेहतर सकारात्मक प्रयास से विद्यालय को निरंतर बेहतर बनाया है : बिनय मिश्रा

ज्योति पाठक

शिक्षा, अनुशासन और बेहतर पठन-पाठन के लिए पुरे कोल्हान प्रमण्डल में अपनी सशक्त पहचान रखने वाला मधुसूदन पब्लिक स्कूल में विद्यालय के वार्षिक उत्सव तथा विद्यार्थियों के बीच पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में झारखण्ड के वरीय पत्रकार बिनय मिश्रा ने कहा कि 1992 में स्थापित मधुसूदन पब्लिक स्कूल की गौरवगाथा और बच्चों के भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में निरंतर किये जा रहे सार्थक पहल का ही यह परिणाम है कि यह विद्यालय अपने बेहतर परिणाम के कारण राज्य में भी पहचाना जाता है। इस विद्यालय की यह विशेषता है कि बेहतर पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को अन्य विषयों पर भी जानकारी और ज्ञान दी जाती है जो अपने आप में विद्यालय की सफलता और विशेषता को दशार्ता है। श्री मिश्र ने कहा कि जीवन में कन्यादान, रक्तदान और शिक्षा दान अपने-आप में एक उत्कृष्ठ और उपलब्धि भरा कार्य है। मेधावी बालिका राधिका कुमारी को पुरस्कृत करने के क्रम में श्री मिश्रा ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई के प्रति लगन, लक्ष्य के प्रति तत्पर्ता और परिणाम के लिए आतुर इस विद्यालय के विद्यार्थियों की पहचान है। 32 वर्षों में इस विद्यालय ने अपने गौरवगाथा से जो इतिहास रचा है उसके लिए विद्यालय के चेयरमैन श्याम सुन्दर महतो, निदेशक बलराज हिन्दवार, विद्यालय के प्राचार्य के. नागराजु एवं समस्त शिक्षकगण का सराहणीय योगदान रहा है।

उपभोक्ताओं को जल्द न्याय दिलाना आयोग का मकसद : अध्यक्ष

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद : झारखंड उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष सह धनबाद के पूर्व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बसंत कुमार गोस्वामी ने कहा कि राज्य के सभी जिला उपभोक्ता आयोग हाइटेक होंगे। सभी जिला उपभोक्ता आयोगों को इंटरनेट व टेलीफोन से जोड़ दिया गया है। इस नई सुविधा के बहाल होने से देश के किसी भी कोने से अधिवक्ता राज्य के किसी भी जिला उपभोक्ता आयोग में अपने मामलों की सुनवाई, फाइलिंग या न्यायिक प्रक्रिया में ऑनलाइन भाग ले सकेंगे। गोस्वामी ने धनबाद जिला उपभोक्ता आयोग कार्यालय का निरीक्षण किया और वहां तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि वह सीपीसी व साक्ष्य अधिनियम से बंधे हुए नहीं हैं। उपभोक्ताओं को तीन से छह माह के अंदर न्याय मिले, यह उनकी प्राथमिकता है। राज्य के सभी जिला उपभोक्ता आयोग में सारी व्यवस्था हाइटेक कर दी गई है। अब कहीं से भी कोई अधिवक्ता अपने मामलों की सुनवाई कर सकते हैं। ऑनलाइन साक्ष्य भी प्रस्तुत कर सकते हैं। धनबाद बार एसोसिएशन ने जगह की कमी की बात कही है। इसके समाधान की दिशा में जल्द कदम उठाए जाएंगे। धनबाद जिला उपभोक्ता आयोग के बगल में खाली पड़ी जमीन पर आयोग का विस्तार किया जाएगा या फिर, डीसी ऑफिस के बगल में स्थानांतरित किया जा सकता है। इस संबंध में सरकार से बात कर निर्णय लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान गोस्वामी धनबाद बार एसोसिएशन भी गए। अधिवक्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर झारखंड स्टेट बर काउंसिल के को-चेयरमैन राधेश्याम गोस्वामी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सहाय, महासचिव जीतेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

नगर पर्षद अधीन वार्ड पार्षद के चुनाव की सुगबुगाहट से राजनीति हुई तेज

मेट्रो रेज संवाददाता

नगर पर्षद में विगत काफी समय से चले आ रहे इंतजार अब समाप्ति के कगार पर हैं। इसकी प्रमुख वजह यह है कि पंचायत चुनाव लोकसभा, विधानसभा के चुनाव हो जाने के पश्चात अब नगर विकास विभाग अधीन सम्पादित होने वाले चुनाव अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद के चुनाव का मार्ग अब लगभग प्रशस्त हो चला है और इसकी व्यापक तैयारी भी प्रारंभ हो रही है। चक्रधरपुर रेलवे क्षेत्र अधीन पोर्टर खोली की लोकप्रिय वार्डपार्षद रह चुकी एस. पुष्पलता बताती हैं कि नगर परिषद् के चुनाव से वार्डवासियों की समस्याओं का निपटारा और निस्पादन सहज रूप से होता है इसलिए वार्ड पार्षद के चुनाव हो जाने के साथ ही लोगों को काफी सहुलियत भी रहती है क्योंकि वार्ड की कई मौलिक समस्याऐं हैं। सफाई से लेकर कड़ाके की ठंड से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को राहत पहुंचाना या फिर ऐसे लोगों की सूधि राज्य सरकार के द्वारा आपदा प्रबंधन के अधीन व्यापक रूप से कम्बल वितरण कार्यक्रम भी सम्पादित होते हैं। इस प्रकार से नगर परिषद् अधीन समस्याओं का सहज रूप से समाधान भी सरलतापूर्वक होता है। लोग अपनी पीड़ा और समस्या को लेकर उनतक पहुंचते हैं और सहज रूप से कार्यों का निस्पादन भी होता है। इसलिए यह चुनाव अति आवश्यक है और यथाशीघ्र चुनाव लोगों के लिए काफी बेहतर माध्यम भी साबित होगा।

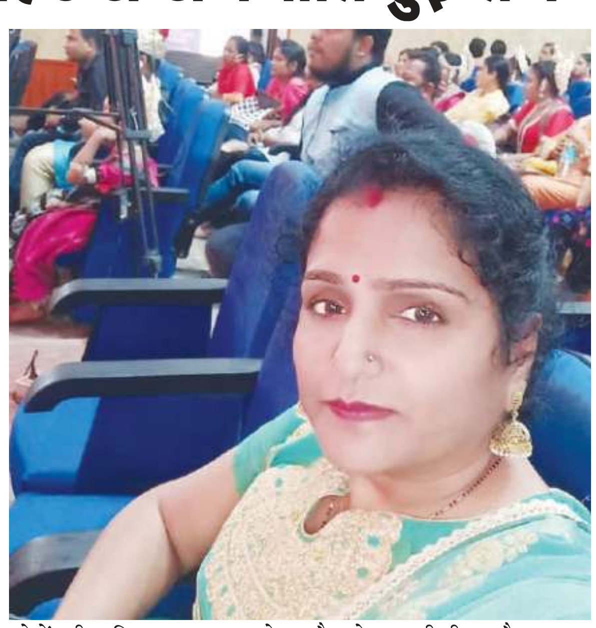

अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

मेट्रो रेज संवाददाता

सरायकेला : चौका थानांतर्गत हेंसाकोचा, टुरु और रांका में अफीम की खेती के खिलाफ पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया। चौका थाना की पुलिस और एसएसबी मतकमडीह कैंप द्वारा अफीम की अवैध खेती एवं विक्रय निषेध संबंधित विषय पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया।

वैकल्पिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया

सरायकेला-खरसावां जिला पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लूणायत के निदेर्शानुसार गुरुवार को चलाए गए अभियान के दौरान चौका थाना प्रभारी व एसएसबी के पदाधिकारियों के द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को अफीम के दुष्प्रभाव एवं संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों को अफीम के स्थान पर वैकल्पिक खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सड़क सुरक्षा से संबंधित अहम जानकारियां दी

लोगों को बताया गया कि नशे की खेती करने का मतलब गांव के आने वाले पीढ़ी और पूरे समाज को अंधेरे में ढकेलना जैसा है। धीरे-धीरे लोगों को इस नशे का आदत लग जाएगी। इसके साथ ही पुलिस ने ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा से संबंधित अहम जानकारियां दी गई। अब पुलिस मान रही है कि चौका थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लोग चोरी-छिपे मादक पदार्थ अफीम की खेती कर रहे हैं। क्षेत्र में बढ़ रहे नशे के कारोबार को रोकने के लिए अब पुलिस जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है।

तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाये रखना छात्रों की भी जवाबदेही है : प्राचार्य

मेट्रो रेज संवाददाता

बोकारो : केन्द्रीय विद्यालय-3 बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य कृष्ण कुमार के द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व के बारे में बताया गया। जिला परामर्शी ने बच्चों को अपने चर्चा के दौरान बताया कि तम्बाकू में पाया जाने वाला नशीला पदार्थ निकोटीन से बच्चों में चिन्ता, नींद न आना, चिडचिडापन एवं अवसाद जैसे गम्भी समस्यायें हो सकती हैं। जिला परामर्शी ने बच्चों को बताया कि यदि आप तम्बाकू का सेवन करते है या आपके आसपास कोई सेवन करता है और वह तम्बाकू के लत को छोडना चाहता है और कई बार प्रयास करने पर भी नही छोड पाता है तो उसे तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र सदर अस्पताल के 13 नं0 ओ0पी0डी0 में भेजें ताकि उन्हें तम्बाकू छुडाने में मदद की जा सके। स्कूल के प्राचार्य ने सभी बच्चों को बताया तम्बाकू को एक लाईन में परिभाषित करें तो तम्बाकू का मतलब बीमारियों बीमारियों का भण्डारा। चाहे आप इसे धुएं के शकल में लें या चबाकर खाये। यह मानव शरीर में जाकर विभिन्न प्रकार के बीमारियों को उत्पन्न करता है और फिर उस बीमारी से लोगों की मौत हो जाती है। इस लिये तम्बाकू मानव शरीर को धीरे धीरे खोखला करता है। हम सभी से अनुरोध करना चाहते है कि इस लत से बचें और एक जिम्मेदार नागरिक के नाते अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभाव से अवगत कराये।

कार्यक्रम के दौरान सोशल वर्कर छोटेलाल दास, विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व बच्चे उपस्थित थे।

ग्रामीणों के तेवर से दहशत में उग्रवादी संगठन

मेट्रो रेज संवाददाता

चाईबासा : झारखंड के चाईबासा जिले में ग्रामीणों के तेवर देख नक्सली संगठन पीएलएफआई बैकफुट पर आ गया है। चाईबासा के उग्रवाद प्रभावित इलाकों में ग्रामीणों ने आंदोलन शुरू कर दिया है। पिछले एक सप्ताह के दौरान पीएलएफआई के तीन उग्रवादियों को मौत की सजा सुनाई गई है।

झारखंड के चाईबासा में जब ग्रामीणों ने पीएलएफआई के तीन उग्रवादियों को मार गिराया तो पूरा संगठन सकते में आ गया। जिन लोगों को संगठन कल तक अपना कार्यकर्ता बताता था, अब उनकी मौत के बाद संगठन उन लोगों को चोर गिरोह का सदस्य बता रहा है। दिनेश गोप के जेल जाने के बाद पीएलएफआई के प्रभारी मार्टिन जी ने पत्र जारी कर चाईबासा में आतंक मचाने वाले लोगों के बारे में लिखा कि वे किसी दूसरे गिरोह के लोग हैं। पुलिस को ग्रामीणों के साथ मिलकर इसकी भी जांच करनी चाहिए।

बताया चोर गिरोह

मार्टिन जी ने अपने पत्र में लिखा है कि वे गुदरी के आम लोगों को यह संदेश देना चाहते हैं कि उस इलाके में मेटा टाइगर नाम का कोई व्यक्ति संगठन में भर्ती नहीं हुआ है। उनका संगठन इस बात से इनकार करता है। जरूर कोई चोर गिरोह का व्यक्ति होगा जो संगठन को बदनाम करने के लिए इन घटनाओं को अंजाम दे रहा है। मार्टिन जी के मुताबिक यह आपका अपना संगठन है, आप लोग भी जानते हैं कि संगठन हमेशा आम लोगों के लिए खड़ा रहा है, यह बात किसी से छिपी नहीं है, जिसने भी ऐसा गलत काम किया है, संगठन उसकी पहचान करा रहा है और आम लोगों से अनुरोध है कि आप भी उसे पहचानें और पुलिस भी उसके खिलाफ कार्रवाई करे।

दो ग्रामीणों की हुई थी हत्या

दो सप्ताह पहले चाईबासा में पीएलएफआई नक्सलियों ने दो मासूम ग्रामीणों की बेरहमी से हत्या कर दी थी, जिसके बाद ग्रामीणों ने हथियार उठा लिए थे। अब ग्रामीणों के डर से संगठन में भी खौफ है।